

रखा मंत्री राजनाथ सिंह नई दिल्ली में मनोहर प्रहियर इंस्टीट्यूट फॉर डिसेस स्टडीज एंड एनार्लिसिस (एनडी-आईएसए) में आसियान-भारत डिसेस थिंक टैंक फ़ोरेम के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए।

दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

असफलता केवल एक अवसर है सीखने का और फिर से उठकर आगे बढ़ने का।

■ भोपाल, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 122 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

महाराष्ट्र में 10 मजिला

इंपीरियल टॉवर में लगी

आग,2 महिलाओं की मौत

मुंबई। वसई-विरार इलाके में लिंक रोड स्थित बहुमंजिला इमारत 'इंपीरियल टॉवर' (इंपीरियल हाइट्स) में देर रात अचानक गीषण आग लग गई। आग इमारत की 8वीं से 10वीं मंजिल तक तेजी से फैल गई, जिसकी चोट में आने से दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक बुजुर्ग महिला भी शामिल हैं, जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक बताई जा रही है। प्राथमिक जांच में इस महायवद अविकण्ड की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर पृथ्वीराज बी.पी. के अनुसार, दमकल विभाग को घटना की सूचना रात करीब 11.30 बजे मिली। आग की लपटें और घना धुआं इतनी तेजी से फैला कि ऊपरी मजिला पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। आग की महायवदता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई निवासी अपनी जान बचाने के लिए फ्लैट की खिड़कियों और बालकनी के बाहरी हिस्से पर लटक गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फ़ायर ब्रिगेड,स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक राहत दल मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने हाइड्रोलिक ज़ेन की मदद से इमारत के बाहरी हिस्से पर फंसे लोगों सहित कुल 15 निवासियों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं, आग लगते ही कई लोग सीढ़ियों के रास्ते खुद नीचे उतरने में सफल रहे।

नीट-यूजी पेपर लीक

मामले में 14वें आरोपी के

खिलाफ चार्जशीट दखिल

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए बुधवार को 14वें आरोपी शेषराज बनरजा सूर्यवंशी के खिलाफ राजाज एवेल्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत में चार्जशीट दखिल कर दी है। इससे पहले जांच एजेंसी इस मामले में 13 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश कर चुकी है। विशेष अदालत ने दखिल चार्जशीट पर सज़ाना लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 22 अक्टूबर तक की है और आरोपी को चार्जशीट की प्रति उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। सीबीआई के अनुसार, शेषराज बनरजा सूर्यवंशी इस बड़े पेपर लीक सिंडिकेट के एक अन्य प्रमुख आरोपी शुभान खैरनार का कदीबी सहयोगी रहा है। जांच एजेंसी लगातार परीक्षा की शुचित मंग करने और सुनियोजित तरीके से प्रश्नपत्र लीक कराने वाले नेटवर्क के हर लिंक की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। सूर्यवंशी पर मामले से जुड़े अन्य सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर अथैध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निगाने का आरोप है। राजाज एवेल्यू कोर्ट में 14वें आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दखिल लेने के बाद अब सभी आरोपियों के खिलाफ अदालत प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी। अदालत ने स्पष्ट किया है कि 22 अक्टूबर को तय सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष को दस्तावेजों की आपूर्ति की समीक्षा की जाएगी और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू होगी।

एयर इंडिया फ्लाइट में

हाईजैक अलर्ट से हड़कंप,

जयपुर में इमरजेंसी लैंडिंग

जयपुर। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से नई दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान में हाईजैक अलर्ट मिलने के बाद विमानन सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। फ्लाइट संख्या U3Aई-2030 को आनन-फ़ानन में जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर डायरेक्ट कर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। अहमदाबाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल को विमान के संबंध में आपातकालीन सिग्नल मिला था,जिसके बाद केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां और एयरपोर्ट प्रशासन तुरंत हाई अलर्ट पर आ गए। जानकारों के मुताबिक,उड़ान के दौरान पायलट ने कुछ सेकंड के लिए अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन कोड "रडिक-7500" घोषित किया था। एविएशन प्रोटोकॉल में 7500 कोड के काफ़ी महाना विमान पर किसी अपेक्ष कबो या विमान हाईजैक के आतंक की सूचना देने के लिए किया जाता है। अलर्ट मिलते ही सुबह करीब 9.45 बजे विमान को जयपुर एयरपोर्ट के आसपासलेहान बे (सुरक्षित प्रवृक्ष क्षेत्र) में ले जाया गया। सुरक्षा एजेंसियां और बम निरोधक दस्ता विमान और यात्रियों की निरीक्षण जांच कर रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पायलट ने यह कोड किसी वास्तविक खतरे के कारण भेजा था या यह कोई तकनीकी गड़बड़ी थी। मौलतबव है कि हाल ही में 30 सितंबर को दुबई से तेज अव्हीन जा रही एलस्टैटदुबई की एलाइट एफ1073 में भी लोक इसी तरह हाईजैक अलर्ट से सनसनी लीक गई थी।

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के मामले में काकोरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो नेताओं को पांच दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। स्पेशल एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने सौरव दास और आशुतोष रांका को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। दरअसल,दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास,आशुतोष रांका और अर्जिंज्य शिंदे समेत 14 सदस्यों के खिलाफ कर्नाट प्लेस और पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में अलग-अलग दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के मुताबिक,13 अक्टूबर को सीजेपी के ये सदस्य प्रतिबंधित जंतर-मंतर पर निजी परिसर के रास्ते पहुंचे और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डाली। इसके बाद पुलिस ने तीनों नेताओं को हिरासत में

अनधिकृत प्रवेश और अन्य आरोप में सीजेपी के 14 सदस्यों पर केस



प्रावधानों के तहत कार्यवाई की। पुलिस के अनुसार, मामले में पहली प्राथमिकी कर्नाट प्लेस थाने में एफआईआर संख्या 128/26 के तहत दर्ज हुई है। इसमें बीएनएस की धारा 221, 115(2), 132, 121(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

लिया था। तीनों को आज सुबह स्पेशल हिरासत में भेज दिया गया, जबकि अर्जिंज्य शिंदे को छह महीने तक शांति

आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि अर्जिंज्य शिंदे को छह महीने तक शांति

बनाए रखने के लिए 5,000 रुपये के मुचलके पर पाबंद किया गया। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर को आधिकारिक

विरोध प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा दिया है। इसका मतलब है कि जंतर-मंतर पर कोई प्रदर्शन नहीं हो सकता। इसी

मुख्यमंत्री ने 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में 1834 करोड़ की राशि अंतरित की :

सरकार गरीबों के जीवन में खुशियां लाने के लिए कर रही है काम : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि नवरात्रि के पावन पर्व पर बुधवार को प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख लाडली बहनों को लाडली बहना योजना की 41वीं क्रिस्त की सीगाता मिली है। राज्य सरकार बहनों के बैंक खातों में हर माह 1500 रुपए की राशि ट्रांसफर कर रही है। योजना की शुरुआत से लेकर अब तक 65 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। हमारी सरकार सच्चा वादा-पक्का काम के भाव से प्रदेश की जनता से किए गए जनकल्याण के सभी वादे पूरा करते हुए आगे बढ़ रही है। प्रदेश की आधी आबादी के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के एक चौथाई जिलों में हमारी बहनें कलेक्टर की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उमरिया जिले के बांधवगढ़ को प्रभु श्रीराम, माता सीता और भगवान श्रीकृष्ण का विशेष आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद मिला है। उमरिया में विरासनी देवी का आशीर्वाद लेना सीभाग्य है।



मुख्यमंत्री डॉ.यादव उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाडली बहना योजना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने सिंगल क्लिक से मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की 41वीं क्रिस्त की राशि बहनों के बैंक खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेश की सवा करोड़ से अधिक लाडली बहनों को 1834 करोड़

प्रदेश के महिला बाल विकास विभाग का बजट केवल 350 करोड़ रुपए हुआ करता था, लेकिन अब राज्य सरकार ने 47 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान महिला कल्याण के लिए किया है। आज बहनों को लाडली बहना योजना के 1500 रुपए प्रतिमाह मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना के एलपीजी उपभोक्ताओं को गैस रिफिलिंग अनुदान राशि दी गई है। इसके लिए प्रदेश की 23 लाख से अधिक बहनों को 115 करोड़ रुपए से अधिक राशि अंतरित की गई है। राज्य सरकार गैस रिफिल अनुदान के 3 साल में 1600 करोड़ की सहायता बहनों को दे चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री शी मोदी ने माताओं-बहनों की सुविधा के लिए पक्के मकान और शौचाचार्य बनवाए। राज्य सरकार ने स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित 50 लाख से अधिक संपत्तियों की निशुल्क रजिस्ट्री कराने का संकल्प लिया है। पटवारियों को जो भ्रांतियां थी, वह दूर कर दी गई हैं।

भाजपा में जातिवाद,क्षेत्रवाद और वंशवाद नहीं राष्ट्र सर्वोपरि है : रामनाथ कोविद



लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद का आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजयगाथा-मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद ने कहा कि भाजपा में साधारण कार्यकर्ता भी राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री बन सकता है। भाजपा में जातिवाद,क्षेत्रवाद और वंशवाद नहीं राष्ट्र सर्वोपरि की भावना होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा में अत्यंत साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले भी अपनी मेधा के दम पर शीर्ष पदों पर पहुंच सकते हैं। यही भारतीय गणतंत्र की सच्ची विजयगाथा है। पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा में संवैधानिक शक्तियों के इस्तेमाल, कोविड संकट, सेना के सर्वोच्च कमांडर के रूप में उनके योगदान के अलावा केन्द्र राज्य संबंध व अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़े प्रसंग शामिल हैं। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद की धर्मपत्नी सविता कोविंद, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना,उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वृजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण और रूपा पब्लिकेशंस के प्रबंध निदेशक कपिश मेहरा समेत कई गण्यमान्य अतिथि उपस्थित रहे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक अवसर है। इससे पहले अनेक मंचों से लोगों को संबोधित किया लेकिन आज चर्चा का विषय उनका अपना

जीवन है। उत्तर प्रदेश ही उनकी कर्मभूमि है। यहीं की मिट्टी में पले-बढ़े और शिक्षा प्राप्त की। रामनाथ कोविंद ने अपने बचपन को याद करते हुए कहा कि कानपुर देहात के छोटे-से गांव में उनका साधारण घर था। गांव से मिले भाईचारे, संवेदना और बड़ों के सम्मान के संस्कार जीवनभर उनके साथ रहे। वर्ष 2017 में राष्ट्रपति चुने जाने पर वे स्मृतियां फिर ताजा हो गई थीं। तब उन्होंने कहा था कि देश के किसी गांव में आज भी कोई छोटा-सा रामनाथ टपकती छल के नीचे खड़ा होकर बेहतर भविष्य के सपने देख रहा होगा। आज मोदी और योगी सरकार ने करोड़ों गरीबों को पक्के मकान के साथ गरिमा और सुरक्षा का एहसास कराया है। रामनाथ कोविंद ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने देश को कई प्रधानमंत्री दिए लेकिन यहां जन्मे किसी व्यक्ति को राष्ट्रपति बनने का अवसर पहली बार मिला। इसे वह अपनी उपलब्धि नहीं बल्कि प्रदेश के करोड़ों लोगों के सपनों और आकांक्षाओं का सम्मान मानते हैं। उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अवसर ने दुनिया को भारत की आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक समरसता की शक्ति दिखाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व राष्ट्रपति के जीवन को अभावों से संघर्ष करते हुए देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने की प्रेरणादायी यात्रा बतायी।

पहले वोट चोरी और फिर विरोध करने के अधिकार की चोरी : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि पहले वोट चोरी और फिर विरोध करने के अधिकार की चोरी भाजपाई तानाशाही का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि सरकार की दमनकारी नीतियों के आगे अब कोई नहीं झुकेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,गृह मंत्री (अमित शाह) की ओर से एसआईआर में बाहर 13.3 करोड़ भारतीयों को घुसपैठिया घोषित करना भारतीयता का अपमान है। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा,सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बावजूद,जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थल से हटाकर,पहले वोट चोरी फिर विरोध करने के अधिकार की चोरी भाजपाई तानाशाही का प्रमाण है। ज्ञानेश कुमार को बचाना बंद कीजिए। सत्ता से सवाल पूछने वालों को जेल,युवाओं को लाठी-डंडे,जबरन हिरासत, हमारी बेटियों से पुलिसिया बर्बरता और आरएसएस के गुंडों को खुलेआम छूट,मोदी-शाह की दमनकारी नीतियों के आगे अब कोई नहीं झुकेगा।

कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता,और समय पर उपचार जरूरी : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने किया डॉ.आनंद शंकर जयंत की पुस्तक का किया विमोचन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रख्यात शास्त्रीय नृत्यांगना, लेखिका और भारतीय रेल यातायात सेवा की पूर्व अधिकारी डॉ.आनंद शंकर जयंत की प्रेरणादायक संस्मरण पुस्तक 'डॉसिंग विद जाय' का उपराष्ट्रपति भवन में विमोचन किया। उन्होंने कहा कि कैंसर से होने वाली मौतों को रोकने के लिए जागरूकता, बीमारी की शुरुआती पहचान और समय पर उपचार बेहद जरूरी हैं। इस अवसर पर राधाकृष्णन ने कहा कि यह पुस्तक केवल नृत्य और आनंद की कहानी नहीं है, बल्कि जुनून, कड़ी मेहनत, दृढ़ता और अपनी प्रतिभा को पहचानने तथा निखारने से मिलने वाली असाधारण शक्ति



का प्रेरक वृत्तांत हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक में लेखिका की कैंसर से जुझने की यात्रा केवल बीमारी की कहानी नहीं, बल्कि कैंसर के बाद भी जीवन को नए सिरे से जीने की कहानी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वनों के 'सो' पर विजय पाने की ताकत दी। उन्होंने अनुशासन, सीखने और समर्पण से साधा गया नृत्य डॉ. आनंद की सबसे बड़ी ताकत

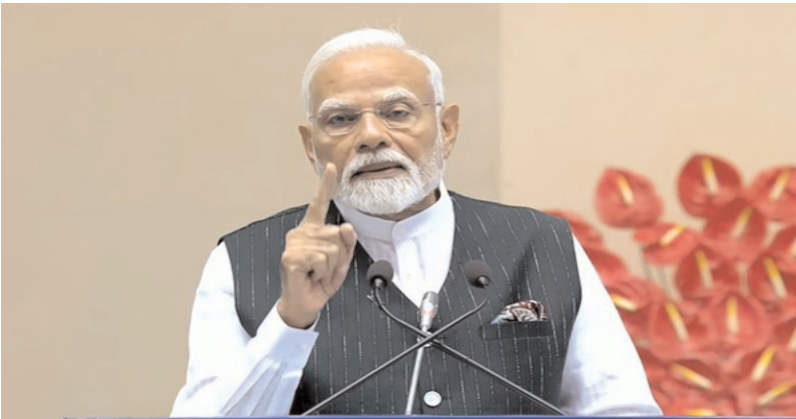
बना और उन्हें जीवन की कठिन चुनौतियों का सामना करने में मदद मिली। पुस्तक का संदेश है कि 'डांसर' यानी नर्तकी के अंग्रेजी शब्द में 'डी' ने लेखिका को 'कैंसर' के 'सो' पर विजय पाने की ताकत दी। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली विपरीत परिस्थितियां आत्मचिंतन और नई

भारत-अमेरिका संबंध और मजबूत होंगे, बाधा की आशंका नहीं : पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को किया संबोधित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और दोनों देशों में राजनीतिक सोच में बदलाव होने के बावजूद यह साझेदारी आगे और मजबूत होती जाएगी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध पहले से ही काफी मजबूत हैं और फिलहाल उन्हें कोई समस्या नजर नहीं आती। उन्होंने कहा,मेरे विचार में दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद ठोस और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि दोनों बड़े लोकतांत्रिक देश हैं। यह याद रखना जरूरी है कि यह संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और

मेरा मानना है कि आने वाले वर्षों में भी वह ऐसा ही बना रहेगा। कुल मिलाकर,मुझे अमेरिका के साथ समझौते करने में कोई बड़ी बाधा दिखाई नहीं देती। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि यह साझेदारी व्यापार से आगे बढ़कर रक्षा सहयोग, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण आपूर्ति शृंखलाओं और लोगों के बीच मजबूत संपर्क तक फैली हुई है। उन्होंने कहा,हकीकत यह है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुत करीबी संबंध हैं और दोनों कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। इनमें संयुक्त रक्षा अभ्यास और प्रौद्योगिकी,वस्तुओं तथा सेवाओं की खुली आपूर्ति शृंखलाओं को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग भी शामिल है। भारत-अमेरिका संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और मेरा मानना है कि दोनों देशों में राजनीतिक सोच में किसी भी बदलाव के बावजूद ये संबंध और मजबूत होंगे। केंद्रीय पीयूष गोयल ने कहा कि इस संबंध की मजबूती हमारी आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं से आती है।



जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया है। आलेख में महात्मा गांधी के सबसे गरीब व्यक्ति को आवाज देने के विचार और पॉडत दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन का उल्लेख किया गया है। सिंधिया ने आलेख में कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) और जनधन-मोबाइल तकनीक के माध्यम से करीब 50 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए हैं। इसमें दावा किया गया कि वर्ष 2013-14 की तुलना में देश की अर्थव्यवस्था लगभग तीन गुना बढ़कर 331 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। देश में 2.23

लाख से अधिक स्टार्टअप्स ने 23 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित किए हैं। सिंधिया ने आलेख में उज्ज्वला योजना के तहत 10.5 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन, स्वच्छ भारत मिशन के तहत करीब 12 करोड़ घरेलू शौचालयों के निर्माण और आयुष्मान भारत योजना के तहत 12 करोड़ लोगों के इलाज का उल्लेख किया है। मुद्रा योजना के तहत 59 करोड़ से अधिक बिना गारंटी वाले ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जबकि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी तीन करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएं 'लक्षपति दीदी' बनीं हैं।

संभावनाओं की खोज का अवसर भी बन सकती हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, जागरूकता और शुरुआती जांच की मजबूत किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंत्रियों और गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों में कैंसर उपचार सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को उनके नजदीक विशेषज्ञ चिकित्सा उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। उन्होंने बताया कि देश में 700 से अधिक जिला क्लीनिक और 500 डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, 19 राज्य कैंसर संस्थानों और 20 तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्रों को संचालन के लिए मंजूरी दी गई है।

प्रादेशिक

सोयाबीन उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 17 अक्टूबर 2026 तक

सिरोहा भारत सरकार की प्रासंगिक डिफिनेशन पेमेंट स्कीम (भावनार्थ योजना) के अंतर्गत खरीद कर 2026 (विपणन वर्ष 2026-27) में सोयाबीन फसल के लिए प्रदेश के किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। किसान सोयाबीन के पंजीयन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल www.mpeuparjan.nic.in पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पंजीयन करा सकेगे। इसके लिए जिले में निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ की गयी हैं। पंजीयन की निशुल्क व्यवस्था पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सरकार की समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है। पंजीयन की शुल्क व्यवस्था पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाइन



कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रुपये से अधिक शुल्क नहीं लिया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए

भूमि संबंधी दस्तावेज एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकॉर्ड रखवा जाना अनिवार्य होगा। सिकमी/ बटाईदार/ कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन

होती सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केंद्रों पर उपलब्ध होगा। इस श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों का उपस्थित राजस्व विभागा द्वारा किसानों को उपायनित फसल के भुगतान हेतु बैंक खाता किसान द्वारा विक्रय उपज का भुगतान प्रार्थनिका के आधार पर किसान के आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते में भुगतान करने में किसी कारण से समस्या उत्पन्न होने पर किसान द्वारा पंजीयन में उपलब्ध कराये गए बैंक खाते में भुगतान किया जा सकेगा। किसान पंजीयन के समय किसान को बैंक खाता नंबर और दूरस्थ कोड की जानकारी उपलब्ध करानी होगी। अक्रियाशील बैंक खाते, संयुक्त बैंक खाते एवं फिनि, एयरटेड, पेटीएम, बैंक खाते पंजीयन में मान्य नहीं होंगे। पंजीयन व्यवस्था में बेहतर

सेवा प्राप्त करने के लिए यह जरूरी होगा कि किसान अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखें। सभी जिला कोलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि जिला और तस्सील स्तर पर रूपातिन आधार पंजीयन केन्द्रों को क्रियाशील रखा जाए जिससे किसान वहां जाकर आसानी से अपना मोबाईल नंबर एवं बायोमेट्रिक अपडेट करा सके। इस कार्य के लिए पोस्ट ऑफिस में संचालित आधार सुविधा केन्द्र भी का उपयोग किया जा सकता है। आधार नंबर से बैंक खाता लिंक कराने के लिए बैंकों के साथ भी समन्वय आवश्यक होगा। किसान के आधार लिंक बैंक खाते के सत्यापन के लिये पंजीयन के दौरान ही 1 रुपये का ट्रांजैक्शन मध्यस्थता राज्य आपूर्ति निगम द्वारा ई-उपार्जन/जेआईटी पोर्टल के माध्यम से कराया जाएगा।

सीएमएचओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेड़ीसांवलीगढ़ का किया निरीक्षण

बैतूल। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शर्मा ने 13 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खेडोईसांवलगीगढ़ में आहलक चिकित्सक किया। निरीक्षण के दौरान पाये गये, जिन्हें अनुपस्थित एवं अभाव एवं डॉ मनीषा वर्मा दोनों अनुपस्थित पाये गये, जिन्हें अनुपस्थित एवं उदर कर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। संस्था में गंभीर मरीजों के लिए ओपीडी, आईपीडी चालू रखने, पदस्थ वधे पर चिकित्सकों को सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिये। कार्य के प्रति जवाबदारी एवं लापरवाही बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि सामान्य मरीजों को अनावश्यक रूप से जिला चिकित्सालय रैफर किया जाता है तो संबंधित चिकित्सक/स्टाफ के विरुद्ध मान्यानुसार कार्यवाही की जाएगी। संस्था में ओपीडी को संस्था में वृद्ध करने के निर्देश दिये हुये का कि प्रतिदिन कम से कम 100 ओपीडी कराई जाए। आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से समुदाय में प्रचार-प्रसार कर मरीजों को संस्था तक लाया जाये। संस्था में 24x7 उपलब्ध सेवाओं का विवरण बोर्ड संस्था के मुख्य द्वार पर लगाने के निर्देश दिये, जिसमें सीएमएचओ एवं बीएमओ का मो.नं. डिसले किया जाये।

भीमपुर सेक्टर में बोरी बंधान और कड़ी शटर से सहेजा जा रहा वर्षा जल

बैतूल। कलेक्टर डॉ. अरवि संजय सोनवणे के निर्देशानुसार जिले में चलाया जा रहे जल संरक्षण अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल को रोके एवं संग्रहित करने के कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत भीमपुर के भीमपुर सेक्टर में वर्षा जल के संरक्षण के लिए बोरी बंधन एवं कड़ी शटर लगाने के कार्य कराए जा रहे हैं। भीमपुर क्षेत्र में वर्षा के दौरान बहने वाले पानी को नालों और उसका स्थानीय स्तर पर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नाके जल जल प्रवाह वाले स्थान पर बोरी बंधन किए जा रहे हैं। इसके साथ ही कड़ी शटर के माध्यम से जल प्रवाह को नियंत्रित कर पानी को अधिक समय तक रोके का प्रयास किया जा रहा है। बोरी बंधन एवं कड़ी शटर से वर्षा जल के ठहराव की अवधि बढ़ेगी, जिससे अपवासी के क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा। इसका लाभ कुओं एवं अन्य जलस्रोतों के जलस्तर में वृद्धि के रूप में मिलने की संभावना है। इससे रबी सीजन में सिंचाई तथा गमद क्षेत्रों में पशुओं की पिलावणी की पानी की उपलब्धता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

आमला और मुलताई में जन संवाद शिविर 16 अक्टूबर को

वैतूल। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के तहत 16 अक्टूबर को आमला और मुलताई में जन संवाद शिबिर आयोजित किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पॉलीक्लिनिक वायु सेवा स्टेशन आमला में सुबह 11 बजे तथा जनपद पंचायत सभा कक्ष मुलताई में 12-30 बजे शिबिर आयोजित होगा। इस दौरान कैन्सर (नैसेन) समीति सहित (से.नि.) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा शिबिर में भूपूर्व सैनिकों, शहीदों की परिवर्तों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। शिबिर में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई की कॉलबैक शिकायतों, पेंशन एवं अनुदान सेवा, पारिवारिक, विकलांगता, संबल, शिक्षा, विवाह एवं चिकित्सा सहायता, भूमि संबंधी प्रकरण, नामांतरण, सीमांकन, बंटेवारा बिजली, सार, सड़क सहित अन्य स्थानीय जनसमस्याएं सुनीं जाएगी।

रोजगार मेले ने युवाओं के सपनों को दी नई उड़ान

186 युवाओं का विभिन्न कंपनियों में चयन

सीहोर) रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए रोजगार मेला उम्मीदों की नई किरण बनकर सामने आया है। सीहोर जिले के आठ में आयोजित रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों द्वारा अलग-अलग पदों के लिए 186 युवाओं का चयन किया गया। रोजगार मिलने की खुशी से युवाओं के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी। युवाओं के लिए यह मेला केवल नौकरी पाने का माध्यम नहीं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ। रोजगार मेले में शामिल युवाओं ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों उनके लिए बेहद उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। पहले नौकरी की तलाश में अलग-अलग कंपनियों के कार्यालयों के चकर लगाने पड़ते थे। कई बार कंपनियों की भर्ती प्रक्रिया, रिक्त पदों और आवेदन की जानकारी नहीं मिल

पाती थी। ऐसे में रोजगार मेलने उनकी इस परेशानी को काफी हद तक आसान कर दिया है। एक ही स्थान पर विभिन्न कर्पणियों के प्रतिनिधियों से मिलने, अपनी योग्यता बताने और साक्षात्कार देने का अवसर मिलने से युवाओं को काफी सहूलियत हुई। युवाओं ने कहा कि रोजगार मेलों की सभसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों में नौकरी पाके के अवसर उपलब्ध होते हैं। इससे प्रत्येक युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता, कोशल और रुचि के अनुरूप रोजगार का विकल्प तलाश सकता है। साक्षात्कार और चयन की प्रक्रिया भी सरल होने से युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजनों से उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने और भविष्य के लिए बेहतर दिशा चुनने में मदद मिलती है। रोजगार मेलों में 186 युवाओं का चयन हुआ। इस बात का संकेत है कि युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ऐसे प्रयास महत्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से राजवीर को मिला नया जीवन

आष्टा की आरबीएसके टीम बनी उम्मीद की किरण

सीहोर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जलरमईद बच्चों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर उनके बेहतर भविष्य की राह आसानी बना रहा है। इसी की एक प्रेरक मिसाल आशा के 8 वर्षीय राजवीर मारवणीय हैं, जिन्हें आरबीएसके टीम के प्रयासों से गंभीर हृदय रोग की पहचान होने के बाद उपचार मिला। समय पर बीमारी की पहचान, उचित रेफरल और विशेषज्ञ चिकित्सकों के उपचार से राजवीर को स्वास्थ्य जीवन की नई उम्मीद मिली है। राजवीर के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान आशा की आरबीएसके टीम-बी के चिकित्सक डॉ. अमीन खान एवं डॉ. तरसीन फातिमा ने जन्मजात हृदय रोग सीएचडी की पहचान की। इसके बाद राजवीर को बेहतर उपचार के लिए जिला शिशु स्वास्थ्य संकेन्द्र, सीहोर के माध्यम से रेफर किया गया। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे गुजरात के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एवं रिसर्च सेंटर में उपचार के लिए भेजा गया। राजवीर की 7 अक्टूबर 2026 को गुजरात में सफल सर्जरी की गई। यह सफलता समय पर बीमारी की पहचान और स्वास्थ्य विभाग की समन्वित कार्यप्रणाली का



महत्वपूर्ण उदाहरण है। आरबीएसके टीम ने बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति को समझते हुए उसे विशेषज्ञ उपचार तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस पूरे प्रयास में मुख्य जिम्मेदारियां एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर डेहरिया, सीबीएमओ डॉ. अमित माथुर, डीईआईएमएम प्रभारी दीनू शर्मा तथा आरबीएसके नोडल अधिकारी डॉ. अंकित चांडक का मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। स्वास्थ्य विभाग के इन समर्पित प्रयासों से राजकीय को बेहतर उपचार उपलब्ध हो सके। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का

उद्देश्य बच्चों में जन्मजात विकारों, बीमारियों और विकास संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उन्हें आसुर्य इसपर उपलब्ध उपचार कराना है। राजवीर की कहानी उच्च प्रमाण है कि समय पर जांच, सही मार्गदर्शनीयता और उचित उपचार से बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। आरबीएसके टीम आशा का यह प्रयास न केवल एक बच्चे के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि अन्य परिवारों के लिए भी आशा और भरोसे का संदेश देता है।

हरदा में चेस एकेडमी का शुभारंभ, कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने चली पहली चाल



**जिला शतरंज संघ की पहल से उभरते
खिलाड़ियों को मिलेगा नियमित प्रशिक्षण,
कोच के मार्गदर्शन में निखरेगी प्रतिभा**

हरदा जिले में शतरंज के खेल को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को तारानामे की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल कर रहे हुए जिला शतरंज संघ में हलदी के तत्वावरण में स्थानीय इन्डोर स्टेडियम में चेस एकेडमी का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने फीता काटकर जिला का उद्घाटन किया तथा शतरंज की पहली चाल चलकर खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास और प्रशिक्षण की शुरुआत की। इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष श्री अलोक जैन ने बताया कि पिछले एक वर्ष में हरदा में विभिन्न शतरंज प्रतियोगिताओं के आयोजन के माध्यम से लगभग 500 खिलाड़ियों

की सहायता सुनिश्चित हुई है। यह जिले में शतरंज के प्रति बढ़ते उत्साह और खेल की लोकप्रियता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताओं के माध्यम से खिलाड़ियों के मूल उपलब्ध कराने के बाद अब उन्हें नियमित अभ्यास और व्यवस्थित प्रशिक्षण की सुविधा देने के उद्देश्य से एकेडमी प्रारंभ की गई है। यह अनुषंगी कोच के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को शतरंज की बारिकियाँ सीखने, अपनी खेल क्षमता विकसित करने और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी करने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि नियमित अभ्यास से ही खिलाड़ियों की प्रतिभा में निखार आता है। किसी भी खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और उचित मार्गदर्शन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कुछ कार्य तत्काल परिणाम देते हैं।

जनगणना 2027 के द्वितीय चरण अंतर्गत जिला एवं चार्ज स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

बैतूल। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण यथा जनसंख्या गणना के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला एवं चार्ज स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनसंख्या गणना की प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों तथा प्रशासनिक दायित्वों के संबंध में विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री नेरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि प्रशिक्षण के प्रथम दिवस में प्रदान की गई जानकारी के पुनरावलोकन तथा प्रतिभागीयों की शंकाओं के समाधान के साथ द्वितीय दिवस का प्रारंभ



हुआ। इसके पश्चात पीई मोबाइल ऐप के ग
सेटअप, संचालन एवं विभिन्न कार्यक्षमताओं वि
के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया वि
गया। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के स्
अंतर्गत प्रश्न क्रमांक 1 से 40 तक की प्र
जानकारी के संकलन की प्रक्रिया समझाई स

गई। इस दौरान आंकड़ों की शुद्धता, विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान स्व-गणना पोर्टल की कार्यप्रणाली तथा प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्वों के संबंध में भी जानकारी दी गई। इसके

अतिरिक्त, विशेष क्षेत्रों एवं नाव में निवास करके वाले परिवारों को गणना से संबंधित प्रक्रियाओं पर विस्तार चर्चा की गई। जनसंख्या गणना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मॉडिया एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियों, मुद्रण कार्य, लाॅजिस्टिक्स तथा प्रशिक्षण एवं गणना संबंधी किट सामग्री के प्रबंधन भागों प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को आवश्यक व्यवस्थाओं की पूर्ण तैयारी, निर्धारित समय-सीमा में कार्य संपादन तथा संबंधित अधिकारियों के मध्य समन्वय बनाए रखने के महत्त्व से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में जगन्गना 2027 के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण डांचे एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई।

**जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का करें
त्वरित निराकरण : कलेक्टर डॉ.सौरभ**

बैतूल। कलेक्टर डॉ.सौरभ संजय सोनवणे ने गलावर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं ध्यान में रखी सुनीं। जसुनवाई के दौरान राजकृष्ण, भूमि विवाद, शरण, आवास, बिजली, पानी सहित अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें प्रथम हुईं। इस दौरान उन्होंने कई प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मौके पर ही कार्रवाय करवाया, वहीं शेष मामलों में समय-सीमा विलंबित न हो सके, अतः अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आमला हद्दीसल के जमईहकीला निवासी सोनवन यादव ने पुत्र द्वारा जमीन पर कब्जा किए जाने संबंधी शिकायत की, जिस पर कलेक्टर ने आमला

एसडीएम को शिकायतकर्ता एवं पुत्र को समक्ष में बुलाकर समस्या के निवारण के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। आवेदनों का त्वरित एवं समय-सीमा में निवारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करती प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याओं सुनीं। इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।



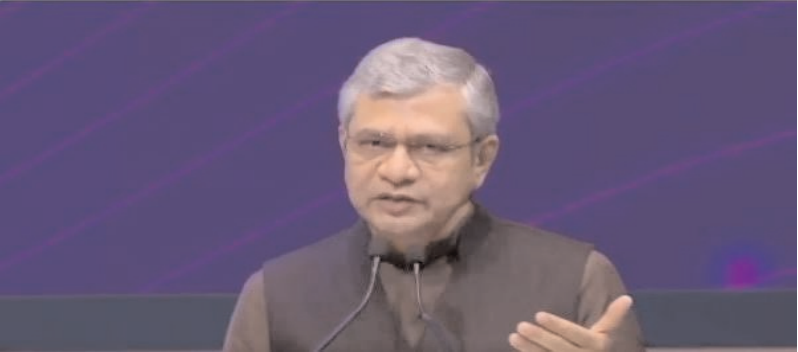
करभीर में कई जगह हुई ताजा बर्फबारी, बर्फ की चादर से ढके इलाके श्रीनगर। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण बुधवार सुबह करभीर के ऊंचे इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी से कई क्षेत्र बर्फ की चादर से ढक गए। मौदानी इलाकों में रात भर बारिश होने के बाद मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ऊंचे इलाकों के कई क्षेत्रों में रात भर हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई।

बंगाल में महासमूची पर कई पंडालों का दौरा करेंगे गृहमंत्री अभित शाह कोलकाता। बंगाल के लोगों के लिए दुर्गा पूजा महज एक त्योहार नहीं, बल्कि एक गहरी भावना है, जिसका सभी को साल भर इंतजार रहता है। इस बार का उत्सव पिछले वर्षों से काफी अलग माना जा रहा है, क्योंकि राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद यह पहली दुर्गा पूजा है। केंद्रीय गृह मंत्री अनित शाह महासमूची के दिन बंगाल आ रहे हैं। वह सुबह बेगुर मठ के दरौन करेंगे और उसके बाद दिन भर विभिन्न पूजा पंडालों का दौरा कर बंगाल के इस मठ उत्सव का हिस्सा बनेंगे।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में विश्वसनीय भागीदार बनने का लक्ष्य : अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने ब्लूमवर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोले

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में लागत के साथ-साथ विश्वास और साइबर सुरक्षा का महत्व भी लगातार बढ़ रहा है। भारत का लक्ष्य सेमीकंडक्टर डिजाइन,निर्माण और तैयार उत्पादों के परीक्षण के क्षेत्र में एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करना है। इसके लिए देश में सतत विनिर्माण से जुड़ा संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमवर्ग न्यू इकोनॉमी



फोरम को संबोधित करते हुए वैष्णव ने कहा कि भारत विभिन्न विनिर्माण क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी इसी दृष्टिकोण को

अपनाया जा रहा है, ताकि घरेलू जरूरतें पूरी करने के साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की भागीदारी बढ़ाई जा सके। केंद्रीय मंत्री ने भारत के मोबाइल फोन उद्योग का उदाहरण देते हुए कहा कि देश ने शुरूआत में असेंबली पर ध्यान केंद्रित किया था। इसके बाद धीरे-धीरे मॉड्यूल और कंपोनेंट के निर्माण की क्षमताएं विकसित की गईं। अब भारत घरेलू मांग को पूरा करने के लिए कई कंपोनेंट का उत्पादन कर रहा है और उनका निर्यात भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर,रेलवे और रक्षा विनिर्माण के क्षेत्रों में भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपना रहा है। इसके तहत पहले बुनियादी क्षमताएं विकसित करने, फिर घरेलू उत्पादन का विस्तार करने और अंततः

वैश्विक बाजारों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। वैष्णव के अनुसार, किसी भी विनिर्माण क्षेत्र में दीर्घकालिक सफलता के लिए केवल उत्पादन इकाइयां स्थापित करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए डिजाइन, कलपुर्जों की आपूर्ति,परीक्षण, तकनीकी दक्षता और सुरक्षा सहित पूरे औद्योगिक तंत्र को मजबूत बनाना जरूरी है। केंद्रीय अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में देश का सार्वजनिक ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात 61 प्रतिशत से घटकर 55 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि भारत का उद्देश्य

वित्तीय,आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में मजबूती हासिल करना है। इसके लिए सरकार घरेलू अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और विकास की निरंतरता बनाए रखने पर काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं का विकास महत्वपूर्ण हो गया है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता के बीच मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था देश को स्थिर विकास की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की रणनीति को इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि देश विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के साथ तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक सहयोग को भी महत्व दे रहा है।

पराली समस्या नहीं,किसान की आय और मिट्टी की सेहत सुधारने का माध्यम : चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा मिट्टी भी खानी है, किसान को समृद्ध भी बनाना है

नई दिल्ली। धान कटाई के मौजूदा सीजन में पराली (फसल अवशेष) प्रबंधन को मिशन मोड में अमलीजामा पहनाने के लिए गत दिवस कृषि भवन, नई दिल्ली में महत्वपूर्ण अंतर-मंत्रालयी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने की। इस बैठक में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, दिल्ली-एनसीआर सहित प्रमुख राज्य्यों पंजाब,हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कृषि मंत्रीगण, केंद्रीय कृषि सचिव अतीश चंद्रा,केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन सचिव नरेंद्र भूषण सहित केंद्र एवं राज्य्यों के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में दोनों केंद्रीय मंत्रियों ने दो-दूक कहा कि फसल कटाई और रबी बुवाई के



बीच समय बहुत कम बचा है, इसलिए प्रशासनिक अमले को फाइलों से निकलकर सीधे जमीन पर युद्ध स्तर पर काम करना होगा। जिला स्तर पर जिलाधिकारियों (कलेक्टरों) की त्वरित बैठकें आयोजित कर सख्त निगरानी और व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए गए। बैठक में कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि धान की कटाई चल रही है और किसान को अगली फसल की बुवाई की जल्दी है। ऐसे में केवल यह कह देना कि पराली मत

कि हमारा लक्ष्य केवल पराली की आग रोकना नहीं, बल्कि एक ऐसा सशक्त तंत्र विकसित करना है जिससे किसान को पराली जलाने की आवश्यकता ही न पड़े और पर्यावरण अनुकूल खेती के जरिए कार्बन क्रेडिट जैसी संभावनाओं का लाभ भी अन्नदाताओं को मिले। चौहान ने कहा कि संतोष की बात है कि 15 सितंबर से 12 अक्टूबर को अवधि में पिछले वर्ष की तुलना में हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में 53.3ब और उत्तर प्रदेश में लगभग 32ब की उल्लेखनीय कमी आई है, साथ ही पंजाब में भी कुछ गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन, मध्य प्रदेश और राजस्थान में पराली जलाने के मामले में हुई वृद्धि को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन दोनों राज्य्यों से कहा कि प्रभावित जिलों और गांवों की पहचान कर तत्काल विशेष कार्ययोजना लागू की जाए। उन्होंने कहा कि चूँकि अभी कटाई का एक बड़ा हिस्सा बाकी है, इसलिए जिन राज्य्यों में घटनाएं कम हुई हैं, वे भी कतई हिलाई न बरतें और पूरी सतर्कता रखें।

पब में आईएस अफसर की गुंडागर्दी, इंस्पेक्टर को जड़ दिया थप्पड़

आईडी कार्ड मांगने पर पुलिस इंस्पेक्टर के साथ मारपीट,एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने आंध्र प्रदेश कैड के एक आईएस अधिकारी और उनके तीन दोस्तों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि शहर के एक पब में छापेमारी के दौरान जब एक पुलिस इंस्पेक्टर ने अधिकारी से अपना पहचान पत्र दिखाते को कहा, तो उन्होंने इंस्पेक्टर के साथ मारपीट की और अपशब्द कहे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें देखा जा सकता है कि एक आईएस अधिकारी और उनके दोस्त पुलिस अधिकारियों को अपशब्द कहते दिख रहे हैं। इस घटना के बाद कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह घटना कथित तौर पर रात करीब 1.30 बजे पुलिस स्टेशन के इलाके में मौजूद कावूर पब में हुई थी। एफआईआर में साफ तौर पर थप्पड़ मारने का



जिक्र नहीं है, लेकिन इसमें कहा गया है कि आरोपी आईएस अधिकारी ने पुलिस इंस्पेक्टर के साथ मारपीट की और उन्हें धमकी दी। हालांकि, पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की कि आरोपी ने उन्हें थप्पड़ मारा था और धमकी दी थी। आरोपी आईएस अधिकारी की पहचान विकास मरमथ के तौर पर हुई है। विकास की आंध्र प्रदेश के कुप्पम में 'कुप्पम एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी' में स्पेशल ऑफिसर के तौर पर तैनाती है। आरोपी विकास के तीन दोस्तों की पहचान अभय उदय सिंह, निवेश

और रोशन के तौर पर हुई है। पुलिस ने धारा 115 (2), 351 (2), 352, 132, 3 (5) के तहत एफआईआर दर्ज की है। यह शिकायत 10 अक्टूबर को बेंगलुरु में सीसीबी की स्पेशल इंचायरी विंग से जुड़े 38 वर्षीय पुलिस इंस्पेक्टर अरुण सालुंके ने दर्ज कराई थी। एफआईआर के मुताबिक, बेंगलुरु पुलिस, सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) के साथ मिलकर शहर भर के पब और दूसरी जगहों पर छापेमारी कर रही थी। ऐसी ही एक छापेमारी के दौरान, पिछले शुक्रवार रात 1.30 बजे यूनिफॉर्म पहने सीसीबी के कर्मचारी पब में दाखिल हुए और ग्राहकों की उम्र कन्फर्म करने और संदिग्ध लोगों की जांच करने के लिए उनके पहचान पत्र देखने लगे। तलाशी के दौरान, जब पुलिस ने मरमथ से उनका पहचान पत्र दिखाने को कहा, तो वे और उनके तीन दोस्त कथित तौर पर भड़क गए और एक छोटी सी बात पर पुलिस से बहस करने लगे।

अमृतसर में विवाद के दौरान गोली चलने से बैंक मैनेजर हुआ घायल

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में मौल रोड स्थित यस बैंक में विवाद के दौरान गोली चलने से बैंक का एक मैनेजर घायल हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, पैसों के लेन-देन को लेकर शुरू हुआ विवाद बहस और हाथापाई तक पहुंच गया, जिसके बाद फायरिंग की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुलिस बैंक के अंदर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। मौके पर पहुंचे एसीपी गगनदीप सिंह ने बताया कि बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर तैनात जसपाल सिंह का कुछ लोगों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी सिलसिले में मंगलवार दोपहर 2 से 3 युवक बैंक पहुंचे। वहां दोनों पक्षों के बीच पहले बहस हुई और फिर मामला झगड़े तक पहुंच गया। इसी दौरान गोली चलने से बैंक के लोन विभाग में तैनात मैनेजर गौरव घायल हो गए। घटना के बाद हमलावर वहां से भाग निकले। घायल मैनेजर को उपचार के लिए ले जाया गया।

ब्रिक्स सम्मेलन से दूर रहना तारिक रहमान का अपरिप फैसला : हसीना



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने तारिक रहमान को सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक रहमान के भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होने के फैसले को अपरिपक्व बताया है। हसीना ने जोर दिया कि इस निर्णय से बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आगाह किया कि विदेश नीति से जुड़े फैसले व्यक्तिगत प्रतिक्रिया या तात्कालिक राजनीतिक लाभ को ध्यान में रखकर लेना हमेशा नुकसानदेह होता है। एक विशेष साक्षात्कार में, हसीना ने कहा कि इस प्रभावशाली

समूह के शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश की भागीदारी से देश के लिए आर्थिक एवं सामाजिक विकास के नए अवसर खुल सकते थे,लेकिन उसने यह सुनहरा मौका गंवा दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि रहमान ने नयी दिल्ली में उनकी (हसीना की) मौजूदगी के कारण शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया,तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हसीना ने स्पष्ट किया कि दो देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति से जुड़े निजी या राजनीतिक पहलुओं के आधार पर तय नहीं किए जा सकते। उन्होंने रहमान के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक जिम्मेदार सरकार को देश के लिए अवसरों के दरवाजे खोलने चाहिए, न कि उन्हें बंद करना चाहिए। भारत ने

बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल (बिम्स्टेक) के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। हालांकि, रहमान ने 12 और 13 सितंबर को नयी दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में शामिल नहीं होने का फैसला किया। हसीना ने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि बांग्लादेश ने सम्मेलन में भाग नहीं लेने का फैसला किया। मेरी राय में यह एक अपरिपक्व फैसला था,जो बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित में नहीं था। उन्होंने ब्रिक्स के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ब्रिक्स केवल एक राजनयिक सम्मेलन नहीं है। यह दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक मंच पर लाता है और व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी एवं विकास के क्षेत्रों में सहयोग के अवसर प्रदान करता है। इसमें भाग लेकर बांग्लादेश महत्वपूर्ण अनुभव हासिल कर सकता था और अपने आर्थिक एवं सामाजिक विकास के नए अवसर तलाश सकता था, लेकिन उसने यह मौका गंवा दिया।



BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

24/7 SERVICE

✓ CONSTRUCTION

✓ RENOVATION

✓ DESIGNING

✓ CONSULTATION

✓ PLANNING

✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM



जल संरक्षण के साथ आजीविका का नया अवसर

सेवा संकल्प अभियान के तहत ‘सेवा की कहानी’ में जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आजीविका में आ रहे बदलाव की तस्वीर सामने आ रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकिरमा निवासी श्री उमेश प्रसाद गुप्ता की निजी भूमि पर बनी डबरी उनके लिए खेती और आजीविका दोनों का सहारा बन रही है। पहले सिंचाई के पर्याप्त साधन के अभाव में खेती में परेशानी होती थी। अब डबरी निर्माण से पानी की उपलब्धता बढ़ी है और मत्स्य विभाग से मिले मत्स्य बीज के जरिए उन्होंने मछली पालन भी शुरू कर दिया है। डबरी ने दूर की सिंचाई की परेशानी उमेश प्रसाद गुप्ता बताते हैं कि पहले उनकी भूमि पर सिंचाई के लिए पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध नहीं था। इससे खेती के कार्य प्रभावित होते थे और पानी की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण रहता था। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत उनकी निजी भूमि पर डबरी निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई। डबरी निर्माण पूरा होने के बाद अब उनके खेत के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ी है और सिंचाई का एक उपयोगी साधन तैयार हुआ है। एक डबरी से खेती के साथ मछली पालन को मिला आधार डबरी का उपयोग केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रहा। उमेश को मत्स्य विभाग की ओर से मछली पालन के लिए मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया। उन्होंने डबरी में मत्स्य बीज डालकर मछली पालन की शुरुआत की है। अब मछलियों के तैयार होने के बाद उनके विक्रय से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होने की उम्मीद है। उमेश बताते हैं कि एक ही जल संरचना से उन्हें खेती के लिए सिंचाई की सुविधा और मछली पालन के रूप में आय का अतिरिक्त माध्यम मिला है। इससे उपलब्ध जल संसाधन का बेहतर उपयोग करते हुए परिवार की आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिला है। सिंचाई का साधन मिला, मछली पालन से होगी अतिरिक्त आय उमेश प्रसाद गुप्ता योजना से मिले लाभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, पहले मेरे पास सिंचाई का साधन नहीं था। अब डबरी बना गई है और मछली पालन के लिए मत्स्य बीज भी मिला है। मछली पालन से आने वाले समय में लाभ मिलेगा और इससे परिवार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने योजनाओं का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। जल संरक्षण से आजीविका तक, बड़े ग्रामीण परिवार के अवसर डबरी जैसी जल संरचनाएं वर्षा जल के संरक्षण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा बढ़ाने में उपयोगी हैं। वहीं इन्हीं जल संरचनाओं में मछली पालन जैसी गतिविधियों को जोड़ने से ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर भी तैयार हो रहे हैं। उमेश प्रसाद गुप्ता की कहानी बताती है कि जल संरक्षण को खेती और आजीविका से जोड़ने वाली पहल ग्रामीण परिवारों के लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और आय के नए अवसरों का आधार बन सकती है।

राशिफल	
मेष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आपको नौकरी में तटवर्की के साथ-साथ इंफ्रीमेट लेने के योग है। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।। स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर की सलाह के बाद आपको आराम मिलेगा। आप अपने लक्ष्य को पाने के लिए तयार रहेंगे।	
वृष राशि : आज आपका दिन शुभ रहने वाला है। अध्ययन और अध्यापन से जुड़े लोगों का दिन अज शानदार रहेगा। आपको गल्द ही बड़ी सफलता मिलने वाली है। अगर आप अपनी पढाई पूरी कर चुके हैं, तो आपको पढ़ाने का नौका मिल सकता है। सिविल सेवा करने वाले जातक आज कुछ नया करेंगे।	
मिथुन राशि : आज के दिन परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेगी। छात्र आज किसी खेल-कूद प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते है। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहला मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ेगी। आप आज कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे, जिससे आपको आगे चलकर लाभ मिलेगा।	
कर्क राशि: आज आपका दिन सुहासल बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। शिशा में सफलता मिलेगी। लेखन और बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अकसरों के साथ तालमेल बनाकर रखेंगे। आपको तटवर्की के मौके मिलेंगे।	
सिंह राशि : आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको पैतृक जमीन-जायदद से अच्छ लाभ मिलेगा। आपको सरकारी क्षेत्र में कोई बड़ी सफलता मिलेगी, जिससे परिवार में उत्सव क्या माहौल बनेगा। आज आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आप अपने परिवार वालों को किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर पर ले जाएंगे।	
कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपको अच्छी तालमेल बनी रहेगी। रीजियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे और आपके लिए पदोन्नति के आसार है। कार्यस्थल पर समझदारीपूर्वक लिए गए फैसले आपको बेहतर परिणाम देते।	
तुला राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छ रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस से जुड़े हुए है तो आपके लिए लाभ के योग है। जीवनसाथी को कोई बड़ी सफलता मिलने से आज आपको भी खुशी मिलेगी। आपके रिश्ते में परिस्थितियां बेहतर होंगी।	
वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अखर रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस से जुड़े हुए है तो आपके लिए लाभ के योग है। जीवनसाथी को कोई बड़ी सफलता मिलने से आज आपको भी खुशी मिलेगी। आपके रिश्ते में परिस्थितियां बेहतर होंगी।	
धनु राशि: आज आपका दिन अच्छ रहने वाला है। बिजनेस के सिलसिले में बनाई गई योजनाएं कारगर साबित होंगी। आपके लिए धन लाभ की संभावना बढ़ेगी। मास कम्प्यूकेशन के छात्रों के लिए खास अवसर मिलने की संभावना है। आपके अंदर कलात्मक चीजों के प्रति उत्साह पैदा होगा। आप किसी क्राफ्ट एग्जीबिशन में मित्रों के साथ जा सकते है।	
मकर राशि: आज आपका दिन सुहासल बीतेगा। शिशा से रिलेटेड आपकी कोई मनोकामना पूरी होगी। आपको परीक्षा में अच्छे अंको के साथ रिजल्ट मिलेंगे और अच्छे कॉलेज में एडमिशन मिलेगा। आज आप अपने खानपान पर ध्यान रखेंगे, जिससे आपकी सेहत फिट एंड फाइन रहेगी।	
कुंभ राशि: आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। आपको किसी अच्छी कंपनी से नौके के लिए ऑफर मिलेगा, जिससे आपका पयूवर सितोरेर होगा। आज आपकी मेहनत के अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके काम करने के तरीकों में बदलाव आएगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरपूर रहेगा। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।	
मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। नौकरी ढूंढ रहे युवाओं को अच्छी नौकरी मिलने के योग है।। पॉपर्टी का काम करने वालों के कामकाज बेहतर रहेगे। मास्टर डिब्री ले रहे हैं तो आपको कैप्टस सिलेक्शन में अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। नौकरी कर रहे युवाओं को उच्च अधिकारियों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपका दायर जीवन सुहासल रहेगा।	



यमन में सऊदी-हूती संघर्ष

डॉ. प्रियंका सौरभ

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घरेलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बूह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न सशस्त्र समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी, जिससे हूती आंदोलन के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनीं। दूसरा प्रमुख कारण हूती आंदोलन की राजनीतिक और सामाजिक शिकायतें हैं। हूती आंदोलन, जिसे अंसार अल्लाह भी कहा जाता है, उत्तरी यमन के जैदी शिया समुदाय से उभरा। इसके समर्थकों ने राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक पिछड़ेपन और धार्मिक-सांस्कृतिक हाशिये पर रखे जाने के विरुद्ध आवाज उठाई। समय के साथ यह आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालाँकि इसकी जड़ें यमन की घरेलू परिस्थितियों में हैं लेकिन इसके सैन्य विस्तार और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के साथ संघर्ष ने देश की अस्थिरता को और बढ़ाया। वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएं संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों



द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालाँकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया। इस संघर्ष का व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता है। हालाँकि हूती आंदोलन को अपनी घरेलू जड़ें और स्वतंत्र राजनीतिक प्राथमिकताएँ भी हैं, फिर भी ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता ने संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय अयाम प्रदान किया। इस प्रकार यमन आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पश्चिम एशिया की शक्ति-प्रतिस्पर्धा का भी एक प्रमुख केंद्र बन गया। संघर्ष के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हुए हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव मानवीय संकट के रूप में दिखाई देता है। लंबे समय तक चले युद्ध ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है तथा खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसी समस्याओं को गंभीर बनाया है। अस्पतालों, विद्यालयों, जलापूर्ति प्रणालियों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान पहुँचा है। कमजोर शासन व्यवस्था और आर्थिक संकट ने आम नागरिकों के जीवन को और कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियाँ उग्रवादी संगठनों के विस्तार और अवैध गतिविधियों के लिए भी अवसर पैदा कर सकती हैं। दूसरा प्रमुख प्रभाव समुद्री सुरक्षा

पर पड़ा है। यमन की भौगोलिक स्थिति बाब-अल-मदेब जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण अत्यंत रणनीतिक है। यह जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और स्वेज नहर के माध्यम से एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करता है। हूतियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री यातायात को निशाना बनाए जाने से अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा प्रभावित हुई है। विशेष रूप से 2023 के अंत से लाल सागर में बढ़ते हमलों ने कई शिपिंग कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया। अफ्रीका के दक्षिणी सिरे से जहाजों के गुजरने के कारण यात्रा का समय, ईंधन खर्च और परिवहन लागत बढ़ गई। तीसरा प्रभाव ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ा है। पश्चिम एशिया वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है और यहाँ की सुरक्षा संबंधी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। वर्ष 2019 में सऊदी अरब के अबकैक और खुरैस तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों ने महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढाँचे की कमजोरियों को उजागर किया। इन हमलों को केवल सऊदी-हूती संघर्ष का प्रत्यक्ष परिणाम मानना उचित नहीं होगा लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता से जुड़े व्यापक जोखिमों को स्पष्ट किया। ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में व्यावधान का खतरा बढ़ जाता है। चौथा प्रभाव क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ा है। संघर्ष ने ईरान और सऊदी अरब के बीच अविश्वास को गहरा किया तथा पश्चिम एशिया में बाहरी शक्तियों की भूमिका को बढ़ाया। मिसाइलों, ड्रोन और अन्य आधुनिक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से सैन्य प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। इससे क्षेत्रीय देशों को अपनी रक्षा प्रणालियों, खुफिया क्षमताओं और समुद्री सुरक्षा पर अधिक संसाधन खर्च करने पड़ते हैं।

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

डॉ. गिरधर जे. झानी

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है-कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती। अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है। अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है। मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती। इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है। लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग-अलग जगह



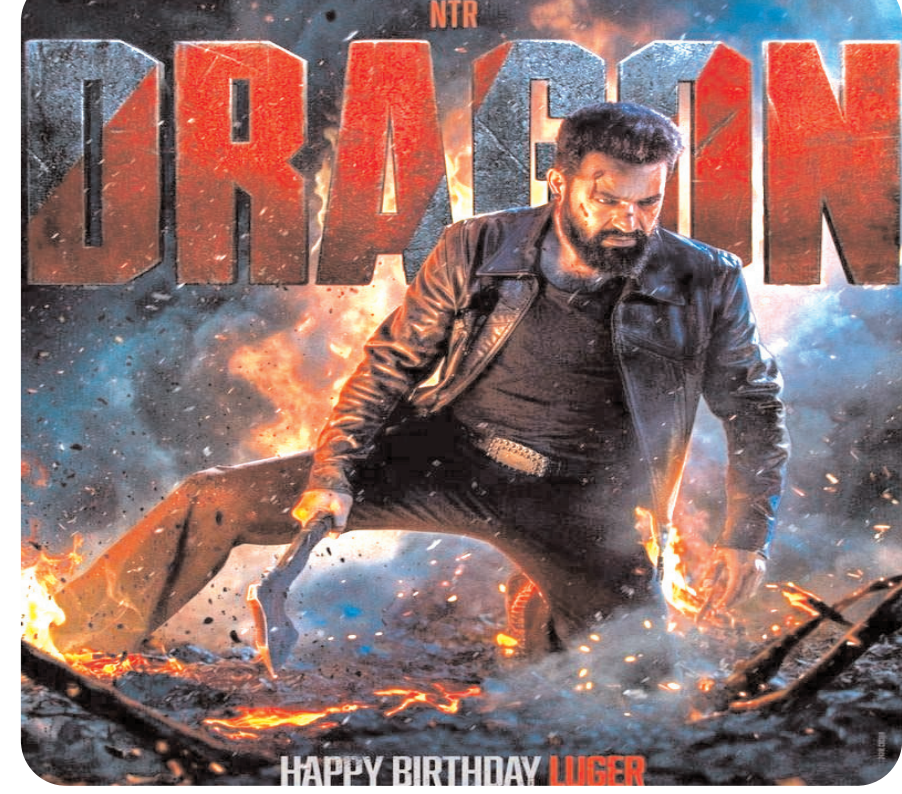
बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग-अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके। दुनिया के अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार-बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग-अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है। प्रशासन के स्तर पर भी यही समस्या दिखाई देती है। एक अस्पताल कई बीमा कंपनियों और भुगतान करने वाली संस्थाओं के साथ काम करता है। इनमें से हर संस्था की अपनी डिजिटल व्यवस्था और अपने तरीके होते हैं। जब ये व्यवस्थाएं एक-दूसरे से ठीक से बात नहीं कर पातीं, तो बीमा दावों की प्रक्रिया बेवजह धीमी और महंगी हो जाती है। इसका सीधा असर अस्पताल की वित्तीय टीम और उसके पैसे के प्रवाह पर पड़ता है। नेशनल हेल्थ क्लेमस एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) इसी समस्या को दूर

करने की कोशिश करता है। यह बीमा दावों की प्रक्रिया को एक समान बनाने पर काम करता है। चाहे डॉक्टर के लिए जरूरी जांच रिपोर्ट हो या अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच भेजा जाने वाला दावा, अगर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंच सकती, तो यह पूरी व्यवस्था की कमी है। एनएचसीएक्स और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों पर काम करते हैं, लेकिन दोनों के पीछे मूल सोच एक ही है-जानकारी सुरक्षित तरीके से, एक समान व्यवस्था के तहत और जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके। लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था सिर्फ ऊपर से लागू नहीं की जा सकती। इसे डॉक्टरों, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वालों के साथ मिलकर तैयार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि अगर डिजिटल व्यवस्था अलग-अलग और केवल ऊपर से तय करके लागू की जाती है, तो इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। इसलिए अलग-अलग प्रणालियों को आपस में जोड़ना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। भारत में यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां निजी स्वास्थ्य क्षेत्र बहुत विविध है। महानगर का एक बड़ा कारपोरेट अस्पताल और दूसरे या तीसरे स्तर के शहर का छोटा अस्पताल एक जैसी तकनीक, संसाधन या डिजिटल व्यवस्था लागू करने की क्षमता नहीं रखते। छोटे अस्पताल में अलग से तकनीकी टीम भी नहीं हो सकती। अगर

डिजिटल व्यवस्था सही तरीके से नहीं बनाई गई, तो उसे लागू करने का अतिरिक्त बोझ भी अस्पताल पर पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल व्यवस्था को अपनाने की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अस्पतालों को कितना व्यावहारिक सहयोग मिलता है और नई व्यवस्था मरीजों के इलाज के मौजूदा तरीके के साथ कितनी आसानी से जुड़ पाती है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के दूत और एनएचसीएक्स के समर्थक के रूप में, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को इन डिजिटल व्यवस्थाओं का व्यावहारिक लाभ समझाना, अलग-अलग तरह के अस्पतालों में इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देना और अस्पतालों के अनुभवों को उन लोगों तक पहुंचाना है, जो इन डिजिटल व्यवस्थाओं को तैयार कर रहे हैं। निजी स्वास्थ्य क्षेत्र सिर्फ भारत की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था का इस्तेमाल करने वाला नहीं रह सकता। अस्पताल इस व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण उपयोगकर्ताओं में हैं, इसलिए उन्हें इसे बनाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को जानकारी के अलग-अलग जगह बंटे होने और आपसी तालमेल की कमी का जो अनुभव होता है, उसे देश में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को आगे बढ़ाने की योजना में शामिल करना होगा। आगे का काम चार हिस्सों में बांटा जा सकता है।पहला, अस्पतालों को ऐसी डेटा व्यवस्थाओं को खत्म करना होगा, जिनका अलग-अलग बंद पड़े रहना किसी के काम नहीं आता। दूसरा, स्वास्थ्य तकनीक से जुड़ी कंपनियों को ऐसे उत्पाद और सॉफ्टवेयर बनाने होंगे, जो एक-दूसरे के साथ आसानी से काम कर सकें।तीसरा, चिकित्सा संस्थाओं और संगठनों को छोटे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को डिजिटल व्यवस्था अपनाने के शुरुआती चरण में मदद करनी होगी। चौथा, नीति बनाने वालों को ऐसे समान और व्यावहारिक मानक तय करने होंगे, जिन्हें स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोग अपना सकें। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की सफलता तब मानी जाएगी, जब अस्पतालों, डॉक्टरों और मरीजों को स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव कम होता हुआ महसूस होगा। जब ऐसा होगा और ऐसा होना संभव है तब डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मरीजों के इलाज का अधिक बेहतर और प्रभावी तरीका माना जाएगा। लेखक एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) के महानिदेशक हैं। लेख में व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत हैं।



दो हिस्सों में आएंगी जूनियर एनटीआर की ‘ड्रैगन’, पहला भाग 11 जून 2027 को होगा रिलीज, 1967 के दौर की पृष्ठभूमि में कहानी



जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘ड्रैगन’ को लेकर नई जानकारी सामने आई है। खबरों के मुताबिक, फिल्म को दो हिस्सों में बनने वाली एक बड़े पैमाने की एक्शन गाथा के रूप में तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों हिस्सों की शूटिंग साथ-साथ की जा रही है और निर्माताओं की कोशिश है कि दोनों फिल्मों की रिलीज के बीच ज्यादा लंबा अंतर न रहे। फिल्म का पहला भाग आधिकारिक रूप से 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगा। हालांकि, दूसरे भाग की रिलीज तारीख की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रिपोर्टों के अनुसार, ‘ड्रैगन’ की शुरुआत एक ही फिल्म के रूप में की गई थी, लेकिन कहानी के व्यापक आकार और निर्माण योजना को देखते हुए बाद में इसे दो हिस्सों में बनाने का फैसला किया गया। ‘फिल्मफेयर’ की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी को बड़े स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए निर्माण योजना में बदलाव किया गया।फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स मिलकर कर रहे हैं। इसे बड़े स्तर की अखिल भारतीय फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है। टी-सीरीज फिल्म को कई भाषाओं में दर्शकों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालेगा।फिल्म की आधिकारिक पहली झलक से संकेत मिलता है कि ‘ड्रैगन’ की कहानी वर्ष 1967 के दौर में स्थापित है। फिल्म में अंतरराष्ट्रीय अफीम कारोबार की पृष्ठभूमि दिखाई जाएगी, जिसमें अफगान ट्रेडिंग कंपनी और गोल्डन ट्रेडिंग कंपनी से जुड़े घटनाक्रम कहानी का हिस्सा बताए जा रहे हैं।

जूनियर एनटीआर फिल्म में ‘लूगर’ नाम का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, रुक्मिणी वसंत महिला मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में अनिल कपूर, बीजू मेनन और आशुतोष राणा भी महत्वपूर्ण सहायक भूमिकाओं में दिखाई देंगे। ‘ड्रैगन’ का निर्देशन प्रशांत नील कर रहे हैं। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी रवि बस्कर ने संभाली है, जबकि छायांकन भुवन गौड़ा कर रहे हैं। फिल्म का संपादन प्रणव श्री प्रसाद कर रहे हैं।

फिल्म की आधिकारिक झलक के साथ इसके पहले भाग की रिलीज तारीख 11 जून 2027 तय की जा चुकी है। हालांकि, दोनों हिस्सों की शूटिंग को लेकर चल रही खबरों के बावजूद दूसरे भाग के प्रदर्शन की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम के संबंध में निर्माताओं की ओर से अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की जोड़ी के कारण ‘ड्रैगन’ को लेकर पहले से ही दर्शकों में काफी उत्सुकता है। फिल्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत और बड़े स्तर के एक्शन को देखते हुए इसे आने वाली प्रमुख अखिल भारतीय फिल्मों में शामिल किया जा रहा है।

‘ये प्रेम मोल लिया’ का नया गीत ‘जय अंबे बोल’ जारी, आयुष्मान और शरवरी ने किया डाडिया-गरबा



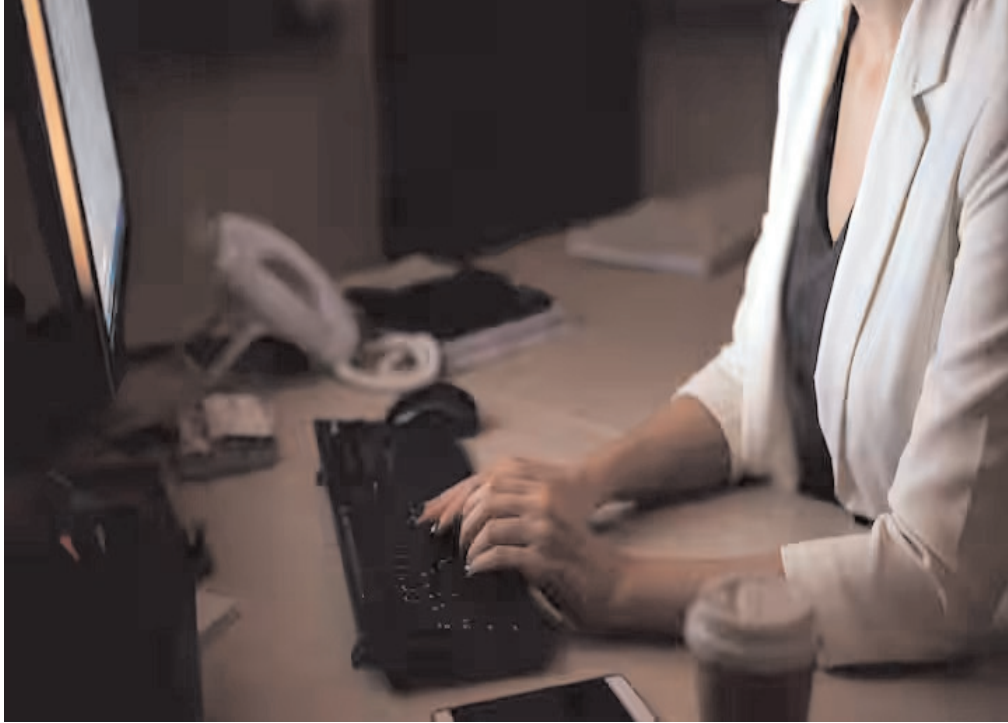
फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ इस साल 27 नवंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। दोनों की नई जोड़ी को लेकर दर्शकों में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के शीर्षक गीत ‘ये प्रेम मोल लिया’ के बाद अब निर्माताओं ने इसका नया गीत ‘जय अंबे बोल’ जारी किया है।

‘जय अंबे बोल’ मां दुर्गा को समर्पित भक्तिमय गीत है। इस गीत को हिमेश रेशमिया ने अपनी आवाज दी है और संगीत भी तैयार किया है। गीत में आयुष्मान खुराना और शरवरी डांडिया-गरबा करते नजर आ रहे हैं। नवरात्रि से पहले जारी किया गया यह गीत उत्सव और भक्ति के रंग को दर्शाता है।

फिल्म के शीर्षक गीत को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और इसे वीडियो साझा करने वाले मंच यूट्यूब पर काफी पसंद किया जा रहा है। नए गीत के साथ फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ने की उम्मीद है।

सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी ‘ये प्रेम मोल लिया’ एक पारिवारिक नाट्य फिल्म है। फिल्म का निर्माण राजश्री प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी की जोड़ी पहली बार पदों पर साथ दिखाई देगी। फिल्म 27 नवंबर, 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

डेस्क पर 9 घंटे काम करने वाले हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अपनाएं ये तरीके



डेस्क पर लगातार 9 घंटे बैठकर काम करना दिल के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। इससे खून का बहाव प्रभावित होता है और मोटापा व हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सरल और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने दिल को स्वस्थ रख सकते हैं और डेस्क पर काम करते हुए भी सक्रिय रह सकते हैं।

नियमित रूप से उठकर चलें

हर 30 मिनट बाद थोड़ा-थोड़ा चलना आपके दिल के लिए फायदेमंद हो सकता है। इससे खून का बहाव बेहतर

होता है और शरीर में जमा चर्बी कम होती है।आप लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चढ़ सकते हैं या ऑफिस के छोटे काम खुद करने के लिए थोड़ी दूरी तय कर सकते हैं। इसके अलावा दोपहर के खाने के समय भी टहलने की आदत डालें।इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा और मानसिक थकान भी कम होगी।

खिंचाव करें

डेस्क पर बैठकर काम करने से गर्दन, कंधे और पीठ में जकड़न हो सकती है। इसे दूर करने के लिए दिन में कम से कम 5-10 मिनट खिंचाव जरूर करें।आप गर्दन घुमाना, कंधे

राष्ट्र भक्ति की अलख जगता हैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सत्यदेव की ‘समवर्ती’ का टीजर जारी, जंगल बचाने के मिशन पर दिखे अभिनेता

अजय नाग वी के निर्देशन में बन रही पर्यावरण

आधारित एक्शन रोमांचक फिल्म, सत्यदेव के बदले रूप ने खींचा ध्यान

मुंबई। अभिनेता सत्यदेव अलग-अलग तरह की मनोरंजक फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अब वह एक नई और अलग विषयवस्तु वाली फिल्म ‘समवर्ती’ में नजर आने वाले हैं। अजय नाग वी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। निर्माताओं ने अब फिल्म का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें सत्यदेव एक दमदार और बिल्कुल अलग अंदाज में दिखाई दे रहे हैं।टीजर में सत्यदेव महादेव नाम के किरदार की भूमिका निभा रहे हैं। उनका किरदार जंगलों को बचाने के मिशन पर नजर आता है। फिल्म को पारिस्थितिकीय एक्शन रोमांचक फिल्म के रूप में तैयार किया जा रहा है। टीजर में जंगलों और प्रकृति से जुड़े दृश्यों के साथ एक्शन का प्रभावशाली मिश्रण देखने को मिलता है। फिल्म के दृश्यों को प्रभावी बनाने में इसके पार्श्व संगीत और छायांकन की अहम भूमिका नजर आती है। टीजर में जंगलों की खूबसूरती

विक्रम प्रभु की 26वीं फिल्म का नाम ‘सिटी ऑफ गोल्ड’, सोने की तस्करी की रहस्यमयी दुनिया दिखाएगी फिल्म

अभिनेता विक्रम प्रभु की आगामी 26वीं फिल्म का आधिकारिक नाम ‘सिटी ऑफ गोल्ड’ रखा गया है। पहली बार निर्देशन की कमान संभाल रहे सिद्धार्थ के निर्देशन में बन रही यह अपराध और रोमांच पर आधारित फिल्म है। इसमें शिवात्मिका राजशेखर मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। उनके साथ राहुल और अमला शाजी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्माण राहुल ‘रोमियो पिक्चर्स’ के बैनर तले कर रहे हैं।

फिल्म के नाम और प्रथम झलक हाल ही में जारी की गई है, जिसके बाद दर्शकों में इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। प्रथम झलक में विक्रम प्रभु सोने की ईंटों को बेहद सहजता से संभालते नजर आते हैं। उनके चेहरे के गंभीर भाव फिल्म की कहानी में छिपी सोने की दुनिया और उससे जुड़े रहस्यमयी अपराध जगत की ओर संकेत करते हैं।

फिल्म की झलक में कोर्यंबटूर से जुड़े सोने की तस्करी के एक बड़े अभियान की झलक दिखाई गई है। इसमें अधिकारियों, कारोबारियों और कई रहस्यमयी किरदारों को शामिल किया गया है। हालांकि, फिल्म में होने वाले मुख्य टकराव और कहानी के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को फिलहाल पर्दे के पीछे रखा गया है।

मोपाल, गुरुवार 15 अक्टूबर 2026

www.rashtriyagarima.com

05

के साथ-साथ संघर्ष और रोमांच को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। कहानी में पर्यावरण संरक्षण को एक्शन और रोमांच के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है।

टीजर के अंतिम हिस्से में सत्यदेव अपने किरदार के दृढ़ संकल्प को व्यक्त करते नजर आते हैं। उनके बदले हुए रूप, खुरदरे व्यक्तित्व और शारीरिक बदलाव ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। सत्यदेव का यह नया अवतार फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाता है। टीजर सामने आने के बाद माना जा रहा है कि फिल्म इसी वर्ष सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी इसकी आधिकारिक प्रदर्शन तिथि की घोषणा नहीं की गई है।‘समवर्ती’ में सत्यदेव के अलावा दिलीप पोथन, राजीव कनकाला, गनवी लक्ष्मण, रवींद्र विजय और मोहन भगत जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को कई भाषाओं में प्रदर्शित करने की तैयारी है, जिससे इसे व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने की योजना है।फिल्म का निर्माण रुद्र पिक्चर्स और पंचभूत प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है। शिवचरण रेड्डी जक्कीडी और शशीधर रेड्डी पदमती फिल्म का बड़े स्तर पर निर्माण कर रहे हैं। अजय नाग वी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म पर्यावरण संरक्षण, जंगलों और संघर्ष की कहानी को एक्शन और रोमांच के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास करती है।फिल्म के टीजर में सत्यदेव का बदला हुआ रूप और कहानी की पर्यावरण आधारित पृष्ठभूमि प्रमुख आकर्षण के रूप में सामने आई है। अब दर्शकों की नजर फिल्म की आधिकारिक प्रदर्शन तिथि और इसके अगले प्रचार अभियान पर है।

यामी गौतम की ‘नई नवेली’ का ट्रेलर जारी, बहू से ‘डायन भाभी’ तक का दिखा खौफनाक सफर

अभिनेत्री यामी गौतम की आगामी फिल्म ‘नई नवेली’ का आधिकारिक ट्रेलर जारी कर दिया गया है। बालाजी मोह के निर्देशन में बनी यह फिल्म डरावने घटनाक्रम के साथ हास्य का तड़का लगाने वाली डरावनी हास्य फिल्म है। फिल्म का निर्माण आनंद एल. राय के निर्माण संस्थान ‘कलर येलो’ और एमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने मिलकर किया है। फिल्म की पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है।

फिल्म में यामी गौतम एक साधारण परिवार की नई-नई आई बहू की भूमिका में नजर आएंगी। शुरुआत में उनका किरदार बेहद सामान्य और घरेलू दिखाई देता है, लेकिन कहानी आगे बढ़ने के साथ उनके किरदार का रहस्यमय और डरावना रूप सामने आता है। वह जल्द ही ऐसी ‘डायन भाभी’ के रूप में नजर आती हैं, जो परिवार और दर्शकों दोनों के होश उड़ाने वाली है।

‘नई नवेली’ की कहानी मेरठ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में एक परिवार के घर नई बहू के आने के बाद घटनाओं में बदलाव शुरू होता है। यामी का किरदार घर में प्रवेश करते ही परिवार की कई परेशानियों को दूर करता नजर आता है और सब कुछ ठीक होने लगता है।

हालांकि, कुछ समय बाद उसके देवर को अपनी नई भाभी के व्यवहार और गतिविधियों पर संदेह होने लगता है। उसे महसूस होता है कि उसकी भाभी कोई साधारण इंसान नहीं है, बल्कि उसके पीछे किसी अलौकिक शक्ति का रहस्य छिपा है।

सर्दियों के दौरान त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

सर्दियों में ठंडी हवाएं और कम

नमी के कारण त्वचा का नमी स्तर काफी गिर जाता है। इससे त्वचा रूखी हो जाती है और उसमें जलन महसूस होने लगती है। इस मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है ताकि वह स्वस्थ और चमकदार बनी रहे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दियों में भी हाइड्रेट रख सकते हैं।

रोजाना भरपूर पानी पिएं

सर्दियों में भी रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। यह आपके शरीर से गंदगी को बाहर निकालने में मदद करता है और आपकी त्वचा को अंदर से नमी देता है। एक व्यक्ति को दिनभर में 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए।इसके अलावा आप नारियल पानी, ताजे फलों का रस और जड़ी-बूटी वाली चाय भी पी सकते हैं। इससे आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलेंगे और वह स्वस्थ रहेगी।

मॉइस्चराइजर का करें इस्तेमाल

मॉइस्चराइजर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को नमी प्रदान करता है और उसे रूखेपन से बचाता है। सर्दियों में एक अच्छा गुणवत्ता वाला मॉइस्चराइजर चुनें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो गाढ़ा मॉइस्चराइजर चुनें, जबकि तैलीय त्वचा वालों के लिए हल्का जेल बेस्ड मॉइस्चराइजर बेहतर रहेगा।नहाने के बाद गीली त्वचा पर मॉइस्चराइजर लगाना सबसे अच्छा तरीका है क्योंकि इससे नमी त्वचा में बंद रहती है।

हाइड्रेटिंग मास्क लगाएं

सप्ताह में दो बार हाइड्रेटिंग मास्क का उपयोग करना आपकी त्वचा को गहराई तक नमी प्रदान कर सकता है और उसे ताजगी महसूस करवा सकता है।आप बाजार से तैयार हाइड्रेटिंग मास्क खरीद सकते हैं या घर पर ही फलों, दही या शहद से बने मास्क लगा सकते हैं। इनसे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनेगी।इसके अलावा हाइड्रेटिंग मास्क लगाने से त्वचा की थकान भी दूर होती है और वह तरोताजा महसूस करती है।

भाप लें

भाप लेना न केवल आपके चेहरे की गंदगी को साफ करता है, बल्कि यह रोमछिद्रों को खोलकर त्वचा को हाइड्रेट करने में भी मदद करता है।भाप लेने से ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स भी आसानी से निकल जाते हैं। इसके अलावा इससे रक्त संचार बढ़ता है, जिससे त्वचा में निखार आता है।भाप लेने के बाद जब त्वचा खुली रोमछिद्रों में मॉइस्चराइजर लगाने से वह गहराई तक अवशोषित हो जाता है और त्वचा को भरपूर नमी मिलती है।

संतुलित आहार अपनाएं

आपकी त्वचा का स्वास्थ्य आपके आहार पर भी निर्भर करता है। विटामिन-सी, विटामिन-ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर खाद्य पदार्थ आपकी त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं और उसे स्वस्थ रखते हैं।फल-सब्जियां, नट्स, बीज, मछली आदि अपने आहार में शामिल करें ताकि आपकी त्वचा को जरूरी पोषण मिलें। इन सभी तरीकों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दियों में भी हाइड्रेट रख सकते हैं और उसे स्वस्थ बना सकते हैं।

००



बरखा नहीं जाएगा, यूनूस को आतंकवादी कहने पर भड़की बांग्लादेश सरकार

चेतावनी दी और कहा- कुछ भी छोड़ेंगे नहीं

ढाका। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित कैनेडी एयरपोर्ट पर बांग्लादेश के पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद युनुस को कथित तौर पर विरोध और नारेबाजी का सामना करना पड़ा। उन्हें आतंकवादी और हत्यारा बताए जाने की इस घटना के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक सलाहकार जाहेद उर रहमान ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ लोग एयरपोर्ट पर युनुस के खिलाफ नारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर आप आतंकवादी हो, हत्यारे हो, आप यहां क्यों आए? और आपने मेरे देश में हजारों पुलिसकर्मियों को मारा जैसे



नारे लगाते सुना गया। इस दौरान युनुस चुप और असहज दिखाई दिए। वीडियो में उनके साथ मौजूद पूर्व अंतरिम शासन की प्रमुख सहयोगी लामिया मोशेंद उनका सामान लिए

थीं, जबकि एक अन्य व्यक्ति उन्हें व्हीलचेयर पर ले जा रहा था। नारेबाजी शुरू होते ही उनके सहयोगियों ने व्हीलचेयर को तेजी से टर्मिनल के भीतर दूसरी दिशा में

घुमा दिया ताकि युनुस को और मौखिक दुर्व्यवहार से बचाया जा सके। घटना के कुछ घंटे बाद मीडिया से बातचीत में जाहेद उर रहमान ने इस घटना को आवामी लीग का आतंक करार दिया। उन्होंने कहा कि इस कथित दुर्व्यवहार में शामिल लोगों के खिलाफ निश्चित रूप से कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी और विदेशों में रहने वाले आवामी लीग के सदस्यों को भी चेतावनी दी कि यदि वे इस तरह की घटनाओं में शामिल होते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अपने बयान में अभिनेत्री और सामाजिक कार्यकर्ता अजमेरिया हक बंधोन का भी उल्लेख किया, जिनके इटली में परेशान किए जाने का दावा किया गया था। हालांकि, एयरपोर्ट की घटना और बंधोन से जुड़े मामले के सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध विवरण में

नहीं है। रिपोर्टों के मुताबिक, युनुस एक निजी यात्रा पर अमेरिका गए हैं। इससे करीब एक महीने पहले उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए बर्लिन में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन में अपनी निर्धारित उपस्थिति रद्द कर दी थी, जिसका कारण यूरोप स्थित कई संगठनों और प्रवासी आवामी लीग समर्थकों का विरोध तथा याचिकाओं को बताया गया था। युनुस और उनकी पूर्व अंतरिम सरकार को बांग्लादेश में खसरे के प्रकोप से निपटने के तरीके को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसमें अब तक आधिकारिक तौर पर 1,170 बच्चों की मौत हुई है। यूनिसेफ ने इस साल रई में कहा था कि उसने टीकों की खरीद में देरी को लेकर अंतरिम सरकार को कम से कम 10 बार चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब और हूतियों के बीच बातचीत शुरू कराने में मदद करने को तैयार:ईरान

हूती का दावा- सऊदी ने उनके नियंत्रण वाले कई इलाकों पर 119 हवाई हमले किए

सना। यमन के हूती समूह ने दावा किया है कि उसने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बार फिर बैलैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। वहीं, ईरान ने कहा है कि वह सऊदी अरब और हूतियों के बीच बातचीत शुरू कराने में मदद करने को तैयार है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने एक बयान में कहा था कि समूह ने रियाद एयरपोर्ट को बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाया और उनका दावा है कि मिसाइल अपने निशाने पर लगी। साथ ही यह भी कहा कि समूह ने दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब के खमीस मुशैत में स्थित किंग खालिद एयर बेस पर ड्रोन हमला किया, जिसमें सीधे निशाना साधा गया। हालांकि, सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने अपने बयान में कहा कि उसकी सेना ने हूती विद्रोहियों की

बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही रोककर नष्ट कर दिया। हमले की खबरों के बीच रियाद में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और लोगों को मोबाइल ऐप्स के जरिए अलर्ट भी भेजे गए। सोमवार को हूती समूह ने दावा किया कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों के दौरान उनके नियंत्रण वाले कई इलाकों पर 119 हवाई हमले किए हैं। सऊदी सीमा से लगे अल-जौफ प्रांत में हुए हवाई हमलों में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और सात घायल हुए हैं। यमनी सेना के प्रवक्ता मौजिद अल-नुजेली ने कहा कि सरकारी बलों ने हाल के घंटों में हूती सैन्य ठिकानों पर 1,879 हमले किए हैं। उनका दावा है कि इनमें करीब 950 हूती लड़कें मारे गए या लड़ाई से बाहर हो गए। इस बढ़ते तनाव ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बार्देई ने कहा कि तेहरान ने कई बार यह पेशकश की है कि वह संघर्षरत पक्षों के बीच बातचीत शुरू करने में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

पनामा में फिर आया भूकंप, लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स से लोग चिंतित

पनामा सिटी। मध्य अमेरिकी देश पनामा में एक बार फिर जोरदार भूकंप के झटके लगे। सोमवार को रिक्टर स्केल पर 6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जो पिछले शुक्रवार को देश के दक्षिणी तट पर आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स की कड़ी का हिस्सा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक सोमवार को आया यह भूकंप पहले के बड़े झटकों के बाद क्षेत्र में जारी भूकंपीय गतिविधियों के बीच दर्ज किया गया। बता दें इससे पहले शुक्रवार को पनामा के दक्षिणी तट पर दो ज़बरदस्त भूकंप आए थे। शुक्रवार को आए बड़े भूकंप की तीव्रता 8 बताई गई थी, हालांकि, बाद में इसे संशोधित

कर 7.6 और फिर 7.7 किया गया। हालांकि, इन भूकंपों से अब तक किसी बड़े नुकसान या हाताहतों की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है, लेकिन लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आफ्टरशॉक्स उस समय आते हैं, जब बड़े भूकंप के बाद पृथ्वी की सतह के नीचे चट्टानों और भूगर्भीय संरचनाओं में तनाव का दोबारा संतुलन बनता है। ये झटके मुख्य भूकंप के बाद कुछ समय तक जारी रह सकते हैं और इनकी तीव्रता अलग-अलग हो सकती है। बता दें पनामा, मध्य अमेरिका के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहां भूकंप आना असामान्य नहीं है।

इजराइल ने नहीं दी इथियोपियन विमान उतरने की इजाजत, वापस लौटी

तेल अवीव। इथियोपियन एयरलाइंस के एक कार्गो विमान को इजराइल में उतरने की मंजूरी नहीं मिली। इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से आए इस विमान को बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। इजराइल ने यह फैसला पायलट के इंडोनेशियाई नागरिक होने के कारण लिया। इजराइल के इंडोनेशिया से राजनयिक संबंध नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात हुई। इसके बाद विमान के पायलट को बदलकर दूसरे पायलट को जिम्मेदारी दी गई, जिसे इजराइल में उतरने की मंजूरी थी। रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला सितंबर में फ्लॉइडुबई की फ्लाइट में हुए हादसे के बाद सामने आया। इसके बाद इजराइल ने सुरक्षा नियम सख्त करते हुए 11 देशों के पायलटों और क्रू पर रोक लगा दी। इनमें अफगानिस्तान, अल्जीरिया, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, कुवैत, नाइजर, कतर, सऊदी अरब, सोमालिया और वेनेजुएला शामिल हैं। इन देशों के इजराइल से राजनयिक संबंध नहीं हैं। इथियोपियन एयरलाइंस की फ्लाइट में सवार करू मेंबर्स की लिस्ट विमान के अदीस अबाबा से उड़ान भरने के बाद इजराइल को भेजी गई थी यानी विमान के रवाना होने से पहले इजराइल को उसके क्रू की पूरी जानकारी नहीं मिली थी।

रियाद एयरपोर्ट हमले में मारे गए भारतीय के जनाजे में शामिल हुए राजदूत

रियाद। सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में मारे जाने वाले भारतीय नागरिक मोहम्मद यूसुफ अली के जनाजे में शामिल करवाया। भारतीय दूतावास के अनुसार, राजदूत विपुल और मिशन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यूसुफ अली के शोक संतप्त परिवार व मित्रों के साथ शोक सभा में भाग लिया। राजदूत ने पीडित परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कर दूतावास की ओर से हर संभव सहायता और सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि 10 अक्टूबर को रियाद हवाई अड्डे पर हुए हमले में मोहम्मद यूसुफ अली की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य भारतीयों समेत कई लोग घायल हो गए थे।

हूतियों के बढ़ते हमलों के बीच सऊदी अरब के अलर्ट सिस्टम की खामोशी ने बढ़ाई चिंता

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हमलों के बीच एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि हमले के वक्त अलर्ट क्यों नहीं जारी किया गया? जिस देश ने लोगों को मिसाइल हमलों से सावधान करने के लिए मोबाइल अलर्ट सिस्टम शुरू किया था, उसी देश में हवाई अड्डे पर हमलों से पहले सार्वजनिक चेतावनी जारी नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच सऊदी अरब के अलर्ट सिस्टम में आड़े खामोशी ने चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक हमलों में कम से कम 18 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। पिछले एक सप्ताह में रियाद पर 4 हमले होने की बात भी सामने आई है। हालांकि सऊदी अधिकारियों ने अब तक स्पष्ट नहीं किया है कि इन हमलों से पहले लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी संदेश क्यों नहीं भेजे गए, जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें साफ देखा जा सकता है कि लोगों को बिल्कुल अंदाजा नहीं था, जब

एयरपोर्ट पर मिसाइलें गिरें, ऐसे में सिक्वोरिटी को लेकर चिंता बढ़ना जायज है। बता दें सऊदी अरब ने मई में नेशनल इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम शुरू की थी। इसका उद्देश्य संभावित खतरे की जानकारी मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाना था, ताकि वे समय रहते सतक हो सकें। रियाद एयरपोर्ट पर हमलों से पहले यह व्यवस्था सार्वजनिक चेतावनी जारी नहीं कर रही थी। सऊदी नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण के एक्स अकाउंट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक आखिरी सार्वजनिक अलर्ट 29 सितंबर को दक्षिणी प्रांत नजरान के लिए जारी किया गया था। इतना ही नहीं दो अधिकारियों ने बताया कि एक पश्चिमी देश की सरकार ने भी सऊदी अधिकारियों से इस बारे में सवाल किया था। इसके जवाब में कहा गया कि अलर्ट लोगों की दिनचर्या में बाधा डाल रहे थे और कुछ लोगों ने रात में फोन पर चेतावनी मिलने की शिकायत की थी।

रहमान बाबा एक्सप्रेस बेपटरी होने से 5 की मौत, 30 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मौलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कराची से पेशावर जा रही यात्री ट्रेन रहमान बाबा एक्सप्रेस मुल्तान में शेर शाह पुल के पास सुबह लगभग 5:15 बजे अचानक पटरी से उतर गई। इस दर्दनाक हादसे में करीब पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बल मौके पर पहुंचे। बचाव कर्मियों ने मुस्तेदी दिखाकर ट्रेन की 13 बोगियों को खाली करा लिया है, जबकि एक क्षतिग्रस्त बोगी में फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है। सभी घायलों को तुरंत मुल्तान के निशतर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारणों को लेकर यात्री ने दावा किया कि यात्रा के दौरान रोहरी के पास रेलवे कर्मचारियों ने बोगी नंबर-नौ के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे पर गहरा दुःख ज़ाहिर किया है। उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों को हर संभव बेहतरी इलाज मुहैया कराने का कड़ा निर्देश दिया है।

भारत में लड़कियों के लिए हुई प्रगति का महत्व उसकी सीमाओं से कहीं आगे



यूनिसेफ की सुलेमान ने की भारत में लड़कियों की स्थिति में हुए सुधार की तरीक

जिनेवा। यूनिसेफ की डिप्टी एजीकुल्टिव डायरेक्टर हनान सुलेमान ने भारत में लड़कियों के सशकीकरण की स्थिति में हुए सुधार की तरीक की है और कहा है कि इसका सकारात्मक असर वैश्विक स्तर पर भी पड़ेगा। सुलेमान ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत में लड़कियों की शिक्षा में काफी सुधार हुआ है, जो परिवारों में लड़कियों के महत्व को बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत में 25 करोड़ 30 लाख किशोर हैं और इसका

मतलब है कि भारत में लड़कियों के लिए हुई प्रगति का महत्व उसकी सीमाओं से कहीं आगे है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हनान सुलेमान भारत और सिएरा लियोन द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि भारत ने दिखाया है कि लगातार निवेश, बड़े पैमाने पर सामुदायिक भागीदारी और नीतिगत कार्रवाई से वास्तविक और सार्थक बदलाव लाया जा सकता है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि भी हरीश ने कहा कि लड़कियों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के कई कार्यक्रमों ने जीवन भर अपना असर दिखाया है। उन्होंने हैदराबाद के

सक्षिप्त समाचार

भीषण तूफान का कहर: 100 किमी/घंटे की रफतार से चली हवाएं

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कई हिस्सों में अचानक आए शक्तिशाली तूफानों और भारी बारिश ने भारी तबाही मचा दी है। मध्य ऑस्ट्रेलिया में बने कम दबाव के क्षेत्र और गर्म हवाओं के संयोजन के कारण उत्पन्न हुए आंधी-तूफान ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफतार से चली तूफानी हवाओं, ओलावृष्टि और मूसलाधार बारिश के चलते सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, जो सड़कों, बिजली की लाइनों और रिहायशी इमारतों पर गिर गए। तूफान का सबसे ज्यादा असर उत्तरी क्षेत्र (एनटी) के ऐलिस स्प्रिंग्स शहर और आसपास के इलाकों में दिखाई दिया, जहां बिजली के खंभे गिरने से करीब 9,000 घरों और कारोबारी प्रतिष्ठानों की बत्ती गुल हो गई। लोकल अधिकारियों के अनुसार, नुकसान इतना व्यापक है कि कुछ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल करने में तीन से चार दिन का समय लग सकता है। डार्विन से आपातकालीन और राहत टीमों को मलबे की सफाई तथा मरम्मत कार्यों के लिए रवाना किया गया है। राहत की बात यह रही कि इतनी भयानक तबाही के बावजूद अब तक किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है। उत्तरी क्षेत्र के साथ-साथ दक्षिण ऑस्ट्रेलिया (एसए) भी इस प्राकृतिक आपदा की चपेट में आया है। रविवार को राज्य की राजधानी एडिलेड सहित बड़े हिस्सों में गरज-चमक के साथ भारी ओलावृष्टि हुई। स्टेट इमरजेंसी सर्विस को गिरे हुए पेड़ों और बुनियादी ढांचे के नुकसान से जुड़ी 100 से अधिक आपातकालीन कॉल प्राप्त हुई। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया में भी 7,000 से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चेतावनी जारी की है कि मंगलवार को भी देश के विभिन्न हिस्सों में फिर से ऐसे ही घातक आंधी-तूफान और भारी बारिश के आसार बने हुए हैं। प्रशासन ने आम नागरिकों को टूटी हुई बिजली की लाइनों और क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने की हिदायत दी है।

इजराइल-लेबनान सीमा पर स्कूल की हाइकिंग ट्रिप में विस्फोट, एक छात्र की मौत, 19 घायल

तेल अवीव। इजराइल-लेबनान सीमा के पास एक स्कूल की हाइकिंग ट्रिप में हुए विस्फोट में एक नाबालिग छात्र की मौत हो गई, जबकि करीब 19 घायल हुए हैं। घटना उत्तरी इजराइल के रमीम रिज इलाके में हुई। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक धमाका एक छात्र के बैग में मौजूद बिना फटे विस्फोटक के कारण होने की आशंका जताई गई है। हालांकि विस्फोट के वास्तविक कारणों की जांच जारी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मिडिल स्कूल के विद्यार्थी वार्षिक हाइकिंग ट्रिप पर निकले हुए। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिसकी चपेट में कई छात्र और अन्य लोग आ गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रिपोर्टों में बताया गया है कि घायलों में कुछ की हालत गंभीर है। शुरुआती रिपोर्टों में आशंका जताई गई है कि हाइकिंग के दौरान किसी छात्र को रास्ते में बिना फटा गोला या अन्य विस्फोटक मिला होगा, जिसे उसने अनजाने में अपने बैग में रख लिया। बाद में उसमें विस्फोट होने की संभावना व्यक्त की गई है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि धमाका बैग में रखे विस्फोटक से हुआ या किसी अन्य विस्फोटक उपकरण के संपर्क में आने से। घटना के कारणों को लेकर अभी अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। इजराइल और लेबनान की सीमा के आसपास लंबे समय से सैन्य गतिविधियां होती रही हैं। ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में विस्फोटक अवशेषों की मौजूदगी नागरिकों, विशेषकर बच्चों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। इस घटना के बाद स्कूल ट्रिप के लिए चुने गए मार्ग की सुरक्षा जांच और बच्चों को विस्फोटक वस्तुओं से दूर रहने के बारे में जागरूक करने जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि संबंधित मार्ग की जांच में कोई चूक हुई थी या नहीं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां घटना की जांच कर रही हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की से ज्यादा राष्ट्रपति पुतिन शांति समझौता करने को उतावले

वांशगंटग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से ज्यादा शांति समझौता करना चाहते हैं। ट्रम्प ने 11 अक्टूबर को रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सीजफायर का दावा किया था। इसके दो दिन बाद यूक्रेन ने कहा कि रूस ने उसके 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए और इस हमले में 33 लोग घायल हुए हैं। ट्रम्प ने दावा किया कि इस महीने युद्ध में 32 हमला लोग मारे गए हैं। हालांकि, इस आंकड़े की पुष्टि नहीं हुई है। ट्रम्प ने दावा किया कि दोनों देश एनर्जी सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं। सोमवार को उन्होंने कहा कि वे सहमत हो गए। पता है क्यों? क्योंकि मैंने कहा कि वे सहमत हैं। इसी वजह से वे सहमत हुए। इस मामले को सुलझाना ही होगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि रूस ने सीजफायर तोड़ा है या नहीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस की ओर से ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। उनके मुताबिक रूस ने सोमवार को यूक्रेन के 6 ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में 33 लोग घायल हुए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अमेरिका के प्रस्ताव के तहत ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए रूस की भी ऐसा करना होगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अगर रूस ने ऊर्जा ठिकानों पर हमले नहीं रोके, तो यूक्रेन भी जवाबी कार्रवाई करेगा। यूक्रेन के मुताबिक अमेरिकी प्रस्ताव के ऐलान के कुछ ही घंटों बाद पूर्वी क्षेत्रों के एक बिजलीघर पर हमला हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने भी ऊर्जा सीजफायर लागू होने की पुष्टि नहीं की है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि रूस कुछ समय के लिए लड़ाई रोकने के बजाय ऐसी शांति चाहता है, जो लंबे समय तक बनी रहे। पुतिन यूक्रेन में चुनाव के दिन रूसी सेना को गोलीबारी रोकने का आदेश देंगे। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि स्थायी शांति के लिए रूस किन शर्तों पर सहमत होगा। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी जेलेंस्की को अस्थायी राहत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ऐसी राहत के हकदार नहीं हैं।

मनपसंद गाना बना डट और तनाव खत्म करने का पेनकिलर, 30 सेकंड में दर्द से राहत

ज्यूरिख। ज्यूरिख विश्वविद्यालय और अस्पताल के शोध में संगीत के प्रभाव का खुलासा हुआ है.डर, तनाव और दर्द से राहत पाने के लिए हमेशा दवाओं की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी मनपसंद संगीत भी राहत का प्रभावी माध्यम बनता है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख विश्वविद्यालय और अस्पताल के वैज्ञानिकों के शोध में सामने आया है कि पसंदीदा संगीत सुनने से दर्द की अनुभूति कम हो जाती है। खास बात यह है कि इसका असर महज 30 सेकंड में महसूस किया जा सकता है। शोध के अनुसार, संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि मस्तिष्क और भावनाओं को प्रभावित करने वाला सशक्त माध्यम भी है। जब व्यक्ति अपनी पसंद का गाना सुनाता है, तो उसका ध्यान दर्द से हट जाता है। संगीत तनाव और बेचैनी कम करने में मदद करता है। इससे दर्द का अनुभव पहले की तुलना में कम हो जाता है। वैज्ञानिकों ने संगीत के प्रभाव को समझने के लिए दई, भावनात्मक प्रतिक्रिया और मस्तिष्क की गतिविधियों के बीच संबंध का अध्ययन किया। निष्कर्ष बताते हैं, संगीत का असर व्यक्ति की पसंद और उससे जुड़ी भावनाओं पर भी निर्भर करता है। यही वजह है कि हर व्यक्ति के लिए एक ही गाना या एक तरह का संगीत समान प्रभाव नहीं डालता है। यह शोध दर्द प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की दिशा में महत्वपूर्ण है। अस्पतालों में उपचार के दौरान मरीजों को पसंदीदा संगीत सुनाना तनाव कम करने और उन्हें सहज कराने में उपयोगी है। हालांकि, संगीत को गंभीर बीमारी या तेज दर्द के इलाज का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए। यह चिकित्सकीय उपचार के साथ सहायक उपाय के रूप में काम करता है।

अब दिल्ली कैपिटल्स में सहायक कोच के साथ ही बल्लेबाजी कोच की भी भूमिका निभाएंगे युवराह



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के महान ऑलराउंडर युवराज सिंह अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र में एक नई भूमिका में नजर आएंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने युवराह को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल करने की घोषणा की है, इसमें वह सहायक कोच के साथ ही बल्लेबाजी कोच की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी के साथ ही युवराज पहली बार किसी टीम के कोच के तौर पर दिखेंगे। इससे वह खेल के मैदान से बाहर रणनीतिकार की भूमिका में दिखेंगे। यह दिल्ली

कैपिटल्स के साथ उनकी वापसी भी है, क्योंकि वह 2015 में इस फ्रेंचाइजी के लिए बतौर खिलाड़ी खेल चुके हैं, जब नीलामी में उन्हें 16 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा गया था। अब लगभग एक दशक बाद, वह एक नए कोच के तौर पर टीम के साथ जुड़ेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के सह-मालिक पार्थ जिंदल ने युवराज सिंह की नियुक्ति पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम युवी का दिल्ली कैपिटल्स परिवार में स्वागत करके बेहद उत्साहित हैं। युवी भारतीय क्रिकेट के महान मैच

विजेताओं में से एक हैं और उन्होंने आज के कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया है। हमें विश्वास है कि उनका अनुभव और क्रिकेट की गहरी समझ हमारी टीम के बल्लेबाजों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। युवराज की इस नई पारी से एक और रोमांचक तालमेल देखने को मिलेगा, क्योंकि वह दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच सौरव गांगुली के साथ दोबारा जुड़ेंगे। गांगुली ही वह कप्तान थे जिन्होंने साल 2000 में युवराज को भारतीय टीम में पदार्पण का अवसर दिया था। दोनों दिग्गजों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती और आपसी सम्मान अब कोचिंग स्टाफ में एक पेशेवर सहयोग में बदल जाएगा। युवराज सिंह ने दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, मैं दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। इस फ्रेंचाइजी के साथ मेरा पुराना जुड़ाव है और मैं टीम के मालिकों को भी अच्छी तरह जानता हूं, इसलिए यह अवसर मेरे लिए खास है। गांगुली के साथ काम करने को लेकर भी युवराज ने अपना उत्साह जताया। उन्होंने कहा, मैं दादा के साथ दोबारा जुड़ने का इंतजार कर रहा हूं, लेकिन इस बार हम दोनों कोच के रूप में साथ होंगे। कोचिंग को लेकर मेरा जुनून है और मैं इस बेहद प्रतिभाशाली टीम के साथ काम शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।

45 साल के हुए गंभीर, युवराज, रैना और प्रशंसकों ने जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार 14 अक्टूबर को अपना 45 वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर उन्हें साथी खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाइयां दी हैं। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने सोशल मीडिया के जरिये गंभीर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। युवराज ने गंभीर के प्रति अपना समर्थन जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, गंभीर तुम जानते हो कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं और चाहता हूं कि तुम लगातार आगे बढ़ते रहो। जन्मदिन मुबारक हो भाई। हमेशा आगे बढ़ते रहो और हमें गर्व महसूस कराते रहो। ढेर सारा प्यार।वहीं एक अन्य साथी खिलाड़ी सुरेश रैना ने भी गौतम गंभीर को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने गंभीर को मैदान का फाइटर और दिल से चैंपियन बताते हुए भारतीय क्रिकेट के प्रति उनके योगदान की सराहना की। रैना ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में गंभीर के अच्छे स्वास्थ्य, खुशियों और भविष्य में और उपलब्धियां

हासिल करने की कामना की। रैना ने अपने संदेश में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, गौति भाई। मैदान पर एक फाइटर, दिल से चैंपियन और भारतीय क्रिकेट के लिए हमेशा मजबूती से खड़े रहने वाले इंसान। आपके अच्छे स्वास्थ्य, खुशियों और सफर में कई और उपलब्धियों की कामना करता हूं। हमेशा प्रेरित करते रहें और नेतृत्व करते रहें।इसके आलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी उन्हें बधाई दी। शुक्ला ने गंभीर के क्रिकेट के प्रति जुनून, प्रतिस्पर्धी भावना और भारतीय क्रिकेट के लिए समर्पण भावना की सराहना की। शुक्ला ने उनके अच्छे स्वास्थ्य, खुशियों और भविष्य में लगातार सफलता की कामना की। गौरतलब है कि गंभीर ने जुलाई 2024 में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद संभाला था। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम ने 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और एसीसी पुरुष एशिया कप और 2026 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता।



शंघाई में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेवे शंघाई मास्टर्स टेनिस में रिटर्न शॉट लगाते हुए।

व्यापार समाचार

संक्षिति समाचार

मस्क से पहले सैटकॉम शुरू करना चाहते हैं मितल, कहा- कतार में आगे हैं हम!

नई दिल्ली। भारत में उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं के बाजार में प्रतिद्वंद्विता और जुबानी जंग तेज हो गई है। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने बुधवार को कहा कि उनका उद्यम यूटेलसैट वनवेब, अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिनक से देश में सेवाएं शुरू करने की मंजूरी पाने की कतार में काफी आगे है। यह बयान मस्क द्वारा भारतीय उद्योगपतियों पर स्टारलिनक को रोकने के लिए एकाधिकार बनाए रखने के आरोपों के जवाब में आया है। मित्तल ने यहां ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम 2026 में कहा कि उन्होंने पांच साल पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उनका ग्राउंड नेटवर्क पिछले तीन साल से तैयार है और उपग्रह पांच साल से भारत के ऊपर चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें खुशी होगी अगर वनवेब को मस्क से कम से कम कुछ दिन पहले सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल जाए, क्योंकि वे उनसे कतार में बहुत आगे हैं। हाल ही में, एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया था कि कुछ प्रभावशाली उद्योगपति भारतीयों पर एकाधिकार बनाए रखना चाहते हैं और इसी वजह से वे स्टारलिनक को भारत में आने से रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को भारत का असली बाॅस तक पुछ लिया था। मस्क के इन आरोपों पर संचार मंत्रालय ने अगले ही दिन जवाब देते हुए कहा था कि नियामकीय ढांचे या उसके क्रियान्वयन को अनुचित या भेदभावपूर्ण बनाने वाली बात का कोई आधार नहीं है और यह गलतफहमी पर आधारित है। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी पिछले सप्ताह स्पष्ट किया था कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता। यह पूरा घटनाक्रम भारत के महत्वाकांक्षी सैटकॉम बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को रेखांकित करता है।

थोक मुद्रास्फीति में भारी उछाल, सितंबर में 11.39 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। देश में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर 2026 में थोक मुद्रास्फीति (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 11.39 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो अगस्त में दर्ज 9.92 प्रतिशत से काफी अधिक है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों, ईंधन एवं बिजली तथा विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने समग्र थोक महंगाई दर को ऊपर धकेल दिया है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अगस्त के 7.05 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर में 8.66 प्रतिशत हो गई। इसी तरह, विनिर्मित वस्तुओं में थोक मूल्य सूचकांक-आधारित मुद्रास्फीति 9.76 प्रतिशत के श्रृंखला के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो अगस्त में 8.37 प्रतिशत थी। ईंधन एवं बिजली की महंगाई भी 22.93 प्रतिशत से बढ़कर 25.85 प्रतिशत रही। खनिज तेल (पेट्रोलियम उत्पादों सहित), कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, कोयले, बुनियादी धातुओं और रासायनिक उत्पादों सहित कई क्षेत्रों में कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। यह बढ़ोतरी चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही जारी है। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और होलजु जलडमरूमध्य में संभावित अवरोधों के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल एवं उर्वरकों की लागत में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह नीतिगत दर रेपो को 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया था। गौरतलब है कि थोक महंगाई के साथ-साथ खुदरा महंगाई भी सितंबर में 23 महीने के उच्चतम स्तर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिससे आम लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है।

राष्ट्रीय

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका को 214 रनों से हराया

हेजलवुड ने लिए छह विकेट

डरबन। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को यहां खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 214 रन से हराकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। हेजलवुड ने इस मैच में 49 रन देकर छह विकेट लिए। अंतिम दिन इस गेंदबाज ने दक्षिण अफ्रीका के चार खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजकर बचे हुए छह विकेटों में से चार लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया से मिले 421 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम लंच के एक घंटे से भी कम समय बाद अपनी दूसरी पारी में 86.5 ओवर में 206 रन पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया के दूसरी नई गेंद लेने के पांच ओवर के भीतर ही मेजबान टीम पेवेलियन लौट गयी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ मैच ड्रॉ मैच में खेल भावना को ठेस पहुंचायी

ढ़ाका। बांग्लादेश और अफगानिस्तान के बीच यहां हुए टेस्ट मैच में अफगान टीम ने असंभव से लगेर वाले 479 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुकाबले को ड्रॉ करवाकर सबको हैरान कर दिया। इस ऐतिहासिक ड्रॉ के दौरान एक घटना से अफगान टीम ने खेल भावना को ठेस पहुंचायी। यह मामला कैस अहमद से जुड़ा है, जिन पर बीच मैदान पर चोट का बहाना करने का आरोप है। उनकी इस हरकत से साल 2024 टी20 विश्व कप में गुलबदीन नईब द्वारा की गई इसी तरह की हरकत की याद दिला दी। ये मामला अफगानिस्तान की दूसरी पारी के 140वें ओवर का है। तब ताइजुल इस्लाम गेंदबाजी कर रहे थे और ओवर की दूसरी गेंद को कैस अहमद ने रक्षात्मक होकर खेला। गेंद रोकने के बाद, बेहद नाटकीय अंदाज में उन्होंने अपना पैर पकड़ लिया और कुछ क्षण बाद लंगड़ा कर चलने लगे, जैसे उन्हें गंभीर चोट लग गई हो। बांग्लादेशी खिलाड़ी यह सब देखकर हैरान हो गये। मैदान पर फिजियो बुलाया गया और करीब 4-5 मिनट तक कैस अहमद को इलाज चला। इतनी देर बाद वह फिर से खेलने के लिए तैयार थे। गौरतल है कि सामान्य परिस्थितियों में चोट लगना कोई बड़ी बात नहीं होती, लेकिन जिस समय और परिस्थिति में यह घटना हुई, वह सवाल खड़े करती है। मैच समाप्त होने में बहुत कम समय बचा था और बांग्लादेश को जीत के लिए सिर्फ 2 विकेट की जरूरत थी। ऐसे में कैस अहमद द्वारा किये नाटक से 4-5 मिनट बर्बाद हो गये। इस कारण दो ओवर कम फेंके गये। इस घटना का कमेंटेटरों ने भी मजाक उड़ाया है। । कमेंटेटरों ने साफ कहा कि इस घटना का रिस्ले देखने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि मैदान पर चल क्या रहा है, यह सब स्पष्ट था। अंततः, अफगानिस्तान 142 ओवर बल्लेबाजी करते हुए इस मुकाबले को ड्रॉ करवाने में सफल रहा।

यूईएफए चैंपियंस लीग में एटलेटिको मैड्रिड ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-0 से हराया

मैड्रिड। यहां खेले जा रहे यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026-27 में इंग्लैंड के मैनचेस्टरा यूनाइटेड क्लब की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। उसे स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-0 से हार का सामना करना पड़ा है। एटलेटिको की ओर से पाब्लो बैरियोस और एडेमोला लुकमैन ने गोल किए। वहीं, एक अन्य मुकाबले में में नॉर्वे के क्लब वाइकिंग एफके ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए जर्मन के क्लब बायर्न म्युनिख को 3-3 से ड्रॉ पर रोक दिया। एटलेटिको ने यूनाइटेड के खिलाफ मुकाबले के पहले हाफ में आक्रामक रुख अपनाते हुए गेंद पर नियंत्रण किया। पहला गोल शुरुआत में ही बैरियोस ने दागा। वहीं यूनाइटेड की ओर से ब्रायन म्बेउमो ने पलटवार करते हुए तेजी से हमले बाले हालांकि टीम गोल करने में विफल रही। मैच के 74वें मिनट में यूनाइटेड के डिफेंडर लेनी योरो को जोनाथन डेविड को खतरनाक तरीके से रोकने के लिए लाल कार्ड दिखकर बाहर कर दिया गया। इससे मैनचेस्टर यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा जो उसके लिए बड़ा झटका रहा। इसी का लाभ उठाते हुए एटलेटिको ने गोल दाग दिया। 79वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी अडेमोला लुकमैन ने एटलेटिको के लिए दूसरा गोल किया। जोनाथन डेविड के शुरुआती शॉट को गोलकीपर सेने लामेंस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद छिटकने के बाद लुकमैन ने उसे गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ एटलेटिको ने 2-0 की जीत सुनिश्चित कर ली। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड और एटलेटिको मैड्रिड, दोनों के शुरुआती दो मुकाबलों में एक जीत और एक हार हो गई है। जनवरी में माइकल कैरिक के क्लब की कमान संभालने के बाद यूनाइटेड से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद बनी पर ऐसा कुड नहीं हुआ ओर टीम को घरेलू और यूरोपीय मुकाबलों में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

बजट में एलटीसीजी टैक्स पर मिल सकती है राहत : वित्त मंत्री

केंद्र सरकार टैक्स हटाने के संबंध में मिलने वाले सुझावों पर विचार करने के लिए तैयार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निवेशकों को राहत का संकेत देते हुए कहा है कि सरकार आगामी बजट से पहले होने वाली चर्चाओं में लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेम्स (एलटीसीजी) टैक्स हटाने के संबंध में मिलने वाले सुझावों पर विचार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में उन्होंने बताया कि इक्विटी पर लगने वाले एलटीसीजी टैक्स और सिक्क्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) को लेकर बाजार में एक स्वस्थ बहस चल रही है, और सरकार इस पर सधी



राय सुनने को इच्छुक है। बाजार को उम्मीद है कि इस बार बजट में शेयर

बैंक ऑफ बड़ौदा पर करोड़ों के फर्जीवाड़े में साटगांठ का आरोप

नई दिल्ली। एनएमसी हेल्थकेयर ग्रुप और यूएई एक्सचेंज के संस्थापक बीआर शेठी ने बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) के मुआवजे का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने बीओबी पर अपनी कंपनियों से जुड़े 15 अरब डॉलर के फॉंड में मदद करने और फर्जी हस्ताक्षरों व दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये के लोन जारी करने का गंभीर आरोप लगाया है। शेठी की याचिका के अनुसार, 2019 तक बीओबी एनएमसी का मुख्य बैंकर था, जिसने सिर्फ लेन-देन नहीं किए, बल्कि एक सिस्टेमैटिक मैकेनिज्म के रूप में फंड में हेराफेरी की। आरोप है कि बैंक की मिलीभगत से एनएमसी का पैसा अवैध तरीके से कंपनी के पूर्व सीईओ प्रशांत मंगात, उनके भाई प्रमोद मंगात और उनकी नियंत्रित

शेल कंपनियों में ट्रांसफर किया गया। उन्होंने दावा किया कि बैंक ने उनकी अनुमति के बिना 2017-19 के बीच उनके नाम पर नेशनल बैंक ऑफ फूजैराह (एनबीएफ) में दो फर्जी खाते खोले, जिनका उपयोग अवैध निकासी के लिए हुआ। बैंक पर आरोपितों को फर्जी लेनदेन की ऑन पेपर वैध दिखाते की ट्रेनिंग देने का भी आरोप है। शेठी ने बीओबी के साथ 25 पूर्व कर्मचारियों को भी इस धोखाधड़ी में शामिल बताया है। शेठी का कहना है कि 2020 में धोखाधड़ी सामने आने पर, बैंक ने अपनी गलतियों को छिपाने के लिए उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी करवाया, जिससे उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को भारी नुकसान हुआ। इसी मानहानि और सद्भावना के नुकसान के एवज में उन्होंने बैंक से 5 अरब डॉलर (लगभग 48,000 करोड़ रुपये) का मुआवजा मांगा है।



पेरिस मोटर्स शो में चीनी वाहन निर्माता चंगन के बनाये वाहन पेश किये गये। इस ऑटो शो में चीनी कंपनियों के कई नये मॉडल पेश किये गये।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतें जस की तस

नई दिल्ली। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने बुधवार को भी उपभोक्ताओं को रसोई गैस की कीमतों में कोई नई राहत नहीं दी है। देश भर में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं। ओएमएसि हर सुबह 6 बजे एलपीजी दरों को अपडेट करती हैं, लेकिन बुधवार को इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 939.50 रुपये पर स्थिर है, जबकि मुंबई में यह 941.50 रुपये और कोलकाता में 968.00 रुपये में उपभोक्ताओं को मिल रहा है।

वैश्विक मांग से चीन का निर्यात उछला, यूरोप से व्यापार संतुलन पर बड़ा दबाव

हांगकांग। चीन का निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 36.3 प्रतिशत बढ़कर अर्थशास्त्रियों की उम्मीदों को पार कर गया, जिससे देश का व्यापार अधिशेष काफी बढ गया। हालांकि, इस शानदार वृद्धि के बावजूद, यूरोपीय संघ सहित प्रमुख व्यापारिक साझेदारों की ओर से व्यापार असंतुलन को संतुलित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। चीन के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार सितंबर में निर्यात में यह वृद्धि अगस्त के 25 प्रतिशत से भी तेज रही। वहीं आयात के 28.2 प्रतिशत से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, सितंबर में चीन का व्यापार अधिशेष बढ़कर 133.5 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 119.1 अरब डॉलर था। वर्ष के पहले नौ महीनों (जनवरी-सितंबर) में कुल व्यापार अधिशेष 938 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और यह पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड को पार कर सकता है।

सेमीकंडक्टर और कारों जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजबूत निर्यात ने इस वर्ष चीन की कुल आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया है, हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के चलते घरेलू खपत और निवेश सुस्त बने हुए हैं। बीएनपी परिसार एसएट मैनेजमेंट की एकातेरिना बिगोस ने चेतावनी दी है कि चीन के व्यापार की मजबूती के सामने अब चुनौतियां बढ़ रही हैं, खासकर यूरोपीय संघ द्वारा उच्च मूल्य वाले निर्यात को निराना बनाने की पहल के कारण। 27 देशों का यूरोपीय संघ चीन के साथ प्रतिदिन 1.1 अरब डॉलर से अधिक के व्यापार घाटे को कम करने में खास मुश्किल का सामना कर रहा है। हाल ही में, यूरोपीय संघ के व्यापार प्रमुख मारोस सेफकोविच ने चीनीजंग यात्रा के दौरान, चीन के साथ हाइब्रिड कारों के आयात को अगले कुछ वर्षों में आधा करने पर समझौता हुआ है।

इंदौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक निकला करोड़पति,करोड़ों की संपत्ति का खुलासा

लोकायुक्त ने इंदौर और देवास स्थित 15 ठिकानों पर एक साथ चलाया तलाशी अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने बुधवार सुबह पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय (पीटीसी), इंदौर में पदस्थ प्रधान आरक्षक (झाड़व) फिरोज खान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की। लोकायुक्त इंदौर और उज्जैन को संयुक्त टीमों ने सुबह करीब 6 बजे इंदौर और देवास स्थित 15 ठिकानों पर एक साथ तलाशी शुरू की। शुरुआती जांच में करीब 6.26 करोड़ की संपत्ति सामने आने की जानकारी दी गई है। लोकायुक्त के मुताबिक, यह संपत्ति आरोपी की ज्ञात आय की तुलना में करीब 223 प्रतिशत अधिक आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान मकान, फ्लैट, प्लॉट, कृषि भूमि, व्यावसायिक संपत्तियों और विभिन्न फर्मों के वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, देवास में फिरोज खान के आदर्श नगर स्थित निवास सहित शहर के अलग-अलग इलाकों में तलाशी ली गई। वहीं, इंदौर के बाणगंगा, स्क्रीम नंबर 94 और श्रीनगर कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर टीमें पहुंचीं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कृषि भूमि और व्यावसायिक भूखंडों को भी जांच के दायरे में लिया गया है। कार्रवाई में लोकायुक्त इंदौर और उज्जैन के अधिकारियों के साथ पुलिसकर्मी शामिल हैं। लोकायुक्त के

भोपाल के केरवा डैम की हद में किये गये अवैध कब्जों की रिपोर्ट देगी टीम



एनजीटी के आदेश पर निरीक्षण करेगी, जानेगी कहां, कितने अतिक्रमण है

भोपाल। राजधानी भोपाल के केरवा डैम की हद और उस पर हुए कब्जों को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने कमेटी की निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं। यह कमेटी डैम के एफटीएल (फुल टैंक लेवल) के अंतिम निर्धारण का रिकॉर्ड समेत अन्य जानकारियों के साथ रिपोर्ट देगी। गुरुवार से ग्राउंड टूरथिंग की जा सकती है। बता दें कि हाल ही में एनजीटी ने केरवा डैम के आसपास कब्जों को लेकर सुनवाई की थी। जिसमें कहा गया था कि डैम

21.75 बीघा कृषि भूमि से जुड़ा मामले की भी हो रही जांच

भोपाल। लोकायुक्त की इस कार्रवाई में सांघेर तहसील के ग्राम गुराज में करीब 21.75 बीघा कृषि भूमि से जुड़ा मामला भी महत्वपूर्ण है। इस जमीन को लेकर शिकायतकर्ता और उसके पिता के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी विवाद के दौरान फिरोज खान ने रोशनजी वर्मा के माध्यम से शिकायतकर्ता के पिता से जमीन का पंजीकृत एग्रीमेंट करवाने में भूमिका निभाई। शिकायत का सत्यापन करने के बाद कार्रवाई की गई। अब जमीन के सौदे से संबंधित दस्तावेज,एग्रीमेंट,भुगतान और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि जमीन की खरीद के लिए धन किसने उपलब्ध कराया और सौदे में फिरोज खान की भूमिका किस स्तर तक थी। लोकायुक्त के डीएसपी सुनील तालान के अनुसार, फिरोज खान वर्तमान में इंदौर के पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में पदस्थ है। उन्होंने बताया कि प्रधान आरक्षक के लंबे समय से गैरहजर रहने की जानकारी भी सामने आई है। हालांकि,गैरहजिरी और आय से अधिक संपत्ति की जांच अलग-अलग विषय है। फिरोज के पिता प्रधान आरक्षक थे और उसका एक भाई वर्तमान में एसआई है जिसके आगर मालवा क्षेत्र में पदस्थ होने की जानकारी सामने आई है। देवास और इंदौर में कुल आठ टीमों के माध्यम से तलाशी की जा रही है। देवास में डीएसपी सुनील तालान और टीपक सेजवार सहित अन्य अधिकारी कार्रवाई में शामिल है। इंदौर में डीएसपी आनंद चौहान और दिनेशचंद्र पटेल के नेतृत्व में टीमें जांच कर रही हैं। फिलहाल लोकायुक्त की कार्रवाई संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों, बैंक खातों, फर्मों के लेन-देन और निवेश के स्रोतों की पड़ताल पर केंद्रित है। तलाशी में मिले दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद संपत्तियों के वास्तविक मूल्य तथा आय के मुकाबले उनकी स्थिति स्पष्ट होगी।

एसपी राजेश सहाय के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में फिरोज खान को नौकरी के दौरान आय को जोड़कर कुल आय एक करोड़ 93 वेतन से करीब 75 लाख रुपए की आय होना

अनुमानित किया गया है। अन्य स्रोतों से हुई आय को जोड़कर कुल आय एक करोड़ 93 लाख 84 हजार 440 रुपए आंकी गई है।

के सज़रू का अंतिम निर्धारण उपलब्ध रिकॉर्ड, जलसंसाधन विभाग के कंटर एवं टोपोग्राफिकल मैप, जलाशय की ऊंचाई के आधार पर निरीक्षण करें और फिर रिपोर्ट दें। कमेटी को एफटीएल एवं उसके बफर एरिया के अंतिम निर्धारण की प्रक्रिया तीन सप्ताह में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। इसे लेकर बुधवार को टीम मैदान में उतरने वाली थी, लेकिन ऐनबक पर ग्राउंड टूरथिंग कैसिल कर दी गई। अब गुरुवार को टीम के निरीक्षण करने की संभावना है। एनजीटी ने स्पष्ट कहा कि एफटीएल और बफर एरिया को अंतिम रूप देने के लिए ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजरी, ग्राउंड टूरथिंग तथा उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड को आधार बनाया जाए। इसकी विस्तृत रिपोर्ट अगली सुनवाई में प्रस्तुत की जाए। अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को निर्धारित है। इससे पहले कमेटी की निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार करना है। उपलब्ध पूर्व रिकॉर्ड के अनुसार केरवा डैम का जलमग्न क्षेत्र लगभग 462.150 हेक्टेयर है। इसकी सीमा को 1080 कंक्रीट ब्लॉकों/खंभों से चिह्नित किया गया था। अब ग्राउंड टूरथिंग एवं भौतिक सत्यापन के दौरान यह भी देखा जाना महत्वपूर्ण होगा कि इनमें से कितने सीमा-चिह्न वर्तमान में मौके पर मौजूद हैं।

आने वाले वर्ष 2027 में महत्वपूर्ण होगी युवाओं की भूमिका : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

‘मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत प्रशिक्षण सत्र को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन और नवाचारी कार्यों से संपूर्ण विश्व प्रभावित है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश विकास और जनकल्याण की दिशा में निरंतर नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। प्रदेश के युवा निडरता पूर्वक अपनी योग्यता और क्षमता से सभी क्षेत्रों में उपलब्धियां अर्जित कर रहे हैं। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा उनके मूल्यांकन में भी युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल्स

युवाओं को डाटा विश्लेषण,प्रशासनिक संरचना का दिया जाएगा प्रशिक्षण



कल्याण,महिला एवं बाल विकास,राजस्व, कृषि एवं कृषक कल्याण और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विशेष रूप से शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्र में देश के अन्य राज्यों से भी विशेषज्ञ अपना योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम में लोकसेवा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, युवा आयोग के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रदेशभर से आए युवा साथी उपस्थित थे।

फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के सभी युवा साथी प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका

भोपाल। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित ने कहा कि जीवन में प्रशिक्षण की विशेष महता है। ‘मुख्यमंत्री यंग प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम’ के अंतर्गत सीएम फेलोज का प्रशिक्षण भी इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आयोजित किया जा रहा है। अलग-अलग प्रशिक्षण सत्रों में युवाओं को डाटा विश्लेषण, जिला स्तर पर प्रशासनिक संरचना और कार्यप्रणाली की जानकारियां प्रदान की जा रही हैं। प्रशिक्षण सत्र में राज्य के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, युवा साथियों को जमीनी स्तर की बारीकियां बता रहे हैं। इसके अंतर्गत जनजातीय कल्याण,स्वास्थ्य एवं परिवार

प्रोफेशनल फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत चयनित सी. एम. फेलोज के पांच

दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में ग्लोबल विलेज फाउंडेशन और सुशासन संस्थान के मध्य एम. ओ. यू. पर हस्ताक्षर भी हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पचपन जिलों से चयनित युवा नई पचपन आशाओं का समुच्चय हैं। यह युवा केन्द्र और राज्य द्वारा संचालित योजनाओं तथा शासन/प्रशासन की इकाईयों द्वारा उनके क्रियान्वयन का प्रभावी मूल्यांकन सुनिश्चित करेंगे। इससे क्रियान्वयन की कमजोरियों को चिन्हित कर उनमें आवश्यक सुधार करने में मदद मिलेगी।

मानव और पशुओं के लिए खतरनाक पैराक्वेट डाइक्लोराइड पर प्रतिबंध

मग्न में निर्माता कम्पनियों के पास बचा स्टॉक तत्काल नष्ट करने के निर्देश

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने पैराक्वेट डाइक्लोराइड नामक कीटनाशक के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। यह कीटनाशक मानव और पशुओं के लिए बेहद हानिकारक है। भारत सरकार ने इस संबंध में पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है। जनसंपर्क अधिकारी अवनीश सोम कुवर ने बुधवार को बताया कि किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने इस खतरनाक कीटनाशक का निर्माण करने वाली कंपनियों द्वारा विक्रय और भण्डारण पर तत्काल रोक लगाने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जिन निर्माताओं के पास पैराक्वेट डाइक्लोराइड के पंजीकरण प्रमाण पत्र है उन्हें तत्काल केन्द्रीय कीटनाशी बोर्ड और पंजीकरण समिति को वापस करने के निर्देश दिए हैं। इस कीटनाशक के बचे स्टॉक को वापस बुलाकर नियम, प्रक्रिया अनुसार नष्ट करने की कार्रवाई करने के लिए भी निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने

कीटनाशक अधिनियम 1968 के तहत पैराक्वेट डाइक्लोराइड के नए रजिस्ट्रेशन और पहले से जारी सभी रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट्स को रद्द कर इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दुनिया के लगभग 70 देशों में इसका उपयोग पहले से प्रतिबंधित है। यह पौधों के हरे हिस्सों के संपर्क में आते ही उन्हें तेजी से जलाकर नष्ट कर देता था। इसे ग्रामोक्सोन जैसे ट्रेड नाम से भी जाना जाता है। यह ईसानों और जानवरों के लिए अत्यधिक विषैला है। इसके शरीर में जाने या संपर्क में आने से फेफड़े और गुदें (किडनी) गंभीर रूप से खराब हो जाते हैं। इसका कोई विशिष्ट एंटीडोट (विषारोधी इलाज) उपलब्ध नहीं है। किसान मृंग की फसल में पैराक्वेट डाइक्लोराइड का उपयोग फसल की कटाई से ठीक पहले पत्तियों को सुखाने और फसल को जल्दी पकाने के लिए करते हैं। इसका छिड़काव करने से मृंग के हरे पौधे और पत्तियां 24 से 72 घंटों के भीतर पूरी तरह सूख जाती हैं। पत्तियां सूख जाने से फसल को काटना और श्रेंसिंग करना आसान हो जाता है, जिससे मजदूरों का खर्च और समय बचता है।

आज से 17 अक्टूबर तक मध्यप्रदेश में एक बार फिर बदलेगा मौसम

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। उत्तरी हिस्से में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और नए चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से 15 से 17 अक्टूबर के बीच प्रदेश के 20 जिलों में आंधी, गरज-चमक और बारिश की संभावना है। हालांकि, भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में फिलहाल बारिश को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, 15 और 16 अक्टूबर को ग्वालियर-चंबल और सागर संभाग में मौसम प्रभावित हो सकता है। इसके बाद 17 अक्टूबर को बारिश की गतिविधियां रीवा, शहडोल और जबलपुर संभाग तक पहुंचने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ कुछ इलाकों में गरज-चमक और बारिश हो सकती है। 17 अक्टूबर को जिन जिलों में मौसम का असर देखने को मिल सकता है, उनमें ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, मैहर, सिंगरीली, शहडोल,अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। इन जिलों में मौसम की स्थिति बदल सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर और उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य हिस्सों में फिलहाल इस सिस्टम का असर सीमित रहने का अनुमान है। मध्य प्रदेश से मानसून 3 अक्टूबर को बिदा हो चुका है, लेकिन अलग-अलग मौसमी सिस्टम के कारण बारिश की संभावना बनी हुई है।

मक्का-मदिना भेजने के लिए भोपाल में पांच लोगों के साथ की ठगी

भोपाल। उमराह के लिए मक्का-मदीना भेजने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपए लेने के बाद आरोपी ईरान-इजराइल युद्ध का हवाला देकर उन्हें टालता रहा। भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र में कोहिनूर हज एंड उमराह सर्विसेज के संचालक हाफिज राहिल खान पर 5 लोगों लाखों रुपए लेने का आरोप है। पीड़ितों का आरोप है कि न उन्हें यात्रा पर भेजा गया और न ही पैसे लौटाए गए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में बिजनेस पार्टनर बनाने के नाम पर एक आयुष डॉक्टर से 10 लाख रुपए लेने की शिकायत भी सामने आई है। पुलिस को आशंका है कि ठगी की कुल रकम और ज्यादा हो सकती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने एक स्थानीय मस्जिद के पास ट्रेवल एजेंसी खोली थी। इसके जरिए लोगों को हज और उमराह के लिए मक्का-मदीना ले जाने का भरोसा दिलाया। आरोप है कि उसने कई लोगों से यात्रा के नाम पर रुपए लिए, लेकिन न तो उन्हें यात्रा पर भेजा और न ही रकम लौटाई। लंबे समय तक इंतजार करने के बाद पीड़ितों ने पुलिस से शिकायत की। पीड़ितों के मुताबिक, जब उन्होंने यात्रा नहीं होने पर अपने रुपए वापस मांगे तो आरोपी ईरान-इजराइल युद्ध का हवाला देकर टालमटोल करता रहा। वह बाद में यात्रा कराने या पैसे लौटाने की बात कहता था। एक पीड़ित को दिया गया यस बैंक का चेक भी बाउंस होने की जानकारी सामने आई है।

भाजपा कार्यालय में मंत्री उदय प्रताप सिंह ने सुर्नी कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्याओं और सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए। जिन मामलों में विभागीय कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा गया। इस दौरान भाजपा की प्रदेश मंत्री अर्चना सिंह भी उपस्थित रहीं। मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से सामने आने वाली जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण करना और उन्हें शासन की योजनाओं व सुविधाओं का लाभ दिलाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार जातिहत् से जुड़े मामलों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में संगठन भी जनसमस्याओं को शासन तक पहुंचाने और उनके निराकरण के लिए समन्वय की भूमिका निभा रहा है।

सैनिकों के पुनर्वास और कौशल विकास में क्रिस्प की भूमिका सराहनीय

भोपाल। सैनिकों के पुनर्वास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में सेंटर फॉर रिसर्च एंड इंडस्ट्रियल स्टॉफ परफॉर्मेंस (क्रिस्प), भोपाल में बुधवार को रक्षा मंत्रालय,भारत सरकार के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी ने दौरा किया और डी.जी.आर प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव जाने। मुख्य अतिथि सुकृति लिखी ने डी.जी.आर के प्रशिक्षणार्थियों से बातचीत की और उनके प्रशिक्षण अनुभवों को जाना। उन्होंने क्रिस्प में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों को जानना करते हुए कहा,डी.जी.आर से जुड़े लोग इस संस्थान की तापीय करते हैं। यहां आकर जब मैंने कार्यक्रमों का जायजा लिया, तो मैं भी प्रभावित हुई कि क्रिस्प वास्तव में इस क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महानिदेशक,पुनर्वास महानिदेशालय मेजर जनरल एसबीके सिंह, एसएम ने अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद भी पूर्व सैनिक विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेहनत,अनुशासन और कौशल के बल पर बेहतर करियर बना सकते हैं और अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग का पूरा लाभ उठाने और प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाने का आह्वान किया।

मेधावी विद्यार्थियों की शिक्षा में बाधा ना बने आर्थिक अभाव : श्रीमती ए.श्रीजा

आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने पर संघन

भोपाल। आर्थिक अभाव के कारण किसी भी मेधावी विद्यार्थी की शिक्षा बाधित न हो, इस दिशा में राष्ट्रीय मीन्स-कम-मैरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएसएसएस) देश में आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शैक्षिक निरंतरता के लिए एक बड़ा संबल है। यह बात भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की आर्थिक सलाहकार तथा भारतीय आर्थिक सेवा की अधिकारी श्रीमती ए. श्रीजा ने राजधानी भोपाल में कहा। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार और राज्य शिक्षा केंद्र स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को एक निजी होटल में राष्ट्रीय मीन्स-कम-मैरिट छात्रवृत्ति योजना (एनएमएसएसएस) विचार पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं



साक्षरता विभाग की आर्थिक सलाहकार तथा भारतीय आर्थिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती ए. श्रीजा ने कहा कि अक्सर कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चे किशोरावस्था में ही पढ़ाई के स्थान पर आजीविका अर्जित करने की ओर ध्यान देने लगते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी शिक्षा प्रभावित होती है। वहीं, छोटी-मोटी मेहनत-मजदूरी से वे न तो अपने परिवार की

आर्थिक कठिनाइयों को दूर कर पाते हैं और न ही अपने भविष्य को बेहतर बना पाते हैं। ऐसे परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़े रखने और उनकी शैक्षणिक निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय मीन्स-कम-मैरिट छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। राज्य शिक्षा केंद्र के संयुक्त संचालक प्राचीश जैन ने कहा कि राष्ट्रीय मीन्स-कम-मैरिट छात्रवृत्ति

योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इसका प्रमुख उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 8 के बाद उन्हें माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक, निर्धारित पात्रता एवं नवीनीकरण संबंधी शर्तें पूरी करने पर, प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस प्रकार पात्र विद्यार्थी अधिकतम चार वर्षों में कुल 48 हजार रुपये की छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। छात्रवृत्ति की राशि सीधे विद्यार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। संयुक्त संचालक श्री जैन ने कहा कि, कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र एवं मेधावी विद्यार्थियों को जानकारी का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र अभाव, आवेदन में त्रुटियों अथवा सत्यापन में देरी के कारण छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित न रहना पड़े।

‘जय जोहार’ पर अभद्र टिप्पणी करने के मामले में टीआई निलंबित



टीआई के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश, मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान

भोपाल। आदिवासी छात्रों के प्रदर्शन के दौरान ‘जय जोहार’ बोलने पर कथित अभद्र टिप्पणी और गाली-गलौज के मामले में राजधानी भोपाल के मिसरोद थाना प्रभारी रतन सिंह परिहार को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। पुलिस कमिश्नर ने उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मामले का संज्ञान लिया है। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि जांच में अन्य लोग भी दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। घटना एक दिन पहले मंगलवार

को भोपाल के मिसरोद इलाके में हुई थी। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के स्टूडेंट विंग के बैनर तले छात्र अपनी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान ‘जय जोहार’ के उद्घोष को लेकर टीआई रतन सिंह परिहार की छात्रों से बहस हुई। घटना के सामने आए वीडियो में टीआई छात्रों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते और ‘यहीं कूट दूंगा’ कहते सुनाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद आदिवासी विधायकों और विभिन्न संगठनों ने कार्रवाई की मांग उठाई थी। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि भोपाल के मिसरोद क्षेत्र में कल हुई दुखद घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल संज्ञान लिया है। ‘जय जोहार’ सम्मान का उद्घोष है। उन्होंने घटना के संबंध में चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर इस्पेक्टर रतन सिंह परिहार को निलंबित कर जांच के निर्लांबित कर दिया गया। पुलिस कमिश्नर ने उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी मामले का संज्ञान लिया है। राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि जांच में अन्य लोग भी दोषी पाए गए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। घटना एक दिन पहले मंगलवार